MPHIN/2021/83938

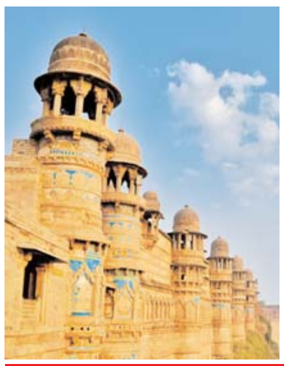

दैनिक पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 143 | ग्वालियर, 2 फरवरी शुक्रवार 2024 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

सरकार ने किया फ्री बिजली का ऐलान- अब हर महीने 18,000 रुपए की सीधी बचत

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज देश का अंतरिम बजट पेश किया है. इस दौरान वित्त मंत्री में बजट में देश के एक करोड़ लोगों को फ्री बिजली देने का ऐलान किया है. अब 140 करोड़ की आबादी में कौन वो भाग्यशाली लोग होंगे, जिनको फ्री बिजली मिलेगी और उसके लिए इन लोगों को क्या करना होगा...कुछ ऐसे सवाल बजट के बाद से ही आम लोगों के दिमाग में रह-रह कर उठ रहे हैं. इस खबर के माध्यम से हम आपको यह समझाना चाहते हैं कि आखिर अंतरिम बजट में फ्री बिजली के ऐलान के मायने क्या हैं. दरअसल, ये योजना एक करोड़ घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाने से शुरू होगी. इसके बाद प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना के तहत 300 यूनिट फ्री बिजली दी जाएगी. इससे हर यूजर को 18 हजार रुपए तक की बचत करने में मदद मिलेगी.

सौलर ऊर्जा को मिलेगा बढ़ावा-एक्सपर्ट्स की मानें तो सोलर एनर्जी के प्रमोट करके फ्री बिजली देने का फैसला सरकार के लिए डबल फायदे का सौदा माना जा रहा है. एक तो इस योजना से सौर ऊर्जा के बढ़ावा मिलेगा, जिससे पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव को रोका जा सकेगा. दूसरा, गरीब व मध्यम वर्ग के लोगों को काफी राहत मिलेगी. आपकी जानाकीर के लिए बता दें कि प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना का लक्ष्य रूफ टॉप सोलर सिस्टम के जरिए घरों में पॉवर सप्लाई करना है. इसके साथ ही अतिरिक्त बिजली उत्पादन के लिए फंड भी देना है. अयोध्या में राम मंदिर उद्घान के दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से अपील की थी कि घरेलू उपभोक्ताओं को अपने छतों पर सोलर एनर्जी सिस्टम लगाने चाहिए और इसके लिए एक अभियान शुरू किया जाए.

प्रधानमंत्री मोदी ने किया था इशारा-एक जानकारी के अनुसार अयोध्या मंदिर के उद्घाटन के तुरंत बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बैठक की थी. बैठक में उन्होंने एक करोड़ घरों पर रूफ टॉप सोलर सिस्टम लगाने पर चर्चा की थी. इस दौरान प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना पर भी बात की थी. बैठक में पीएम मोदी ने कहा था कि जिन घरों पर छत है, वहां सौर ऊर्जा का इस्तेमाल कर बिजली के बिल को कम किया जाए. ऐसा करके सभी लोग सौलर एनर्जी के माध्यम से अपनी जरूरतों को पूरा कर सकते हैं.

18 हजार रुपए की हर महीने बचत-इस बीच बड़ा सवाल यह है कि इस योजना के माध्यम से आखिर 300 यूनिट फ्री बिजली का मामला क्या है. उदाहरण के तौर पर समझें तो देश में बिजली की प्रति यूनिट की औसत कीमत लगभग 5 रुपए है. इस हिसाब से 300 यूनिट फ्री बिजली की कीमत 1500 रुपए होती है. अगर इसको 12 महीने के परिप्रेक्ष्य में देखें तो 3600 यूनिट और इस हिसाब से कीमत 18 हजार बैठती है. मतलब साफ है कि हर महीने 300 यूनिट फ्री बिजली मिलने पर सालभर में 3600 यूनिट और इसकी कीमत 18 हजार रुपए होती है. इसका मतलब है कि एक करोड़ परिवार एख साल में 18,000 करोड़ रुपए की बचत कर सकते हैं,

पेश हुआ मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का अंतिम बजट, 2019 से कितना अलग

नई दिल्ली । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार 1 फरवरी को अंतरिम बजट पेश कर दिया है. केंद्रीय मंत्री सीतारमण ने छठी बार लोकसभा में बजट पेश किया है. आने वाले कुछ दिनों में लोकसभा चुनाव होने वाले हैं. वित्त मंत्री ने इस अंतरिम बजट में इनकम टैक्स स्लैब में किसी भी तरह का बदलाव नहीं किया है. इसके इतर केपिटल एक्सपेंडिचर को भी बढ़ाने की बात की है. आपको बता दें कि 2019 के लोकसभा चुनाव के पहले भी अंतरिम बजट पेश किया गया था. ऐसे में ये जानने के लिए आप आतुर हो रहे होंगे कि 2024 का अंतरिम बजट 2019 के अंतरिम बजट से कितना अलग है.

अंतरिम बजट 2024-वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा ये सबसे छोटा बजट भाषण दिया गया. ये लगभग 58 मिनट का था. इसके साथ ही वित्त मंत्री ने 11 प्रतिशत की दर से केपिटल एक्सपेंडिचर को बढ़ाकर 11 लाख 11 हजार करोड़ कर दिया है. इस अंतरिम बजट में इनकम टैक्स सलैब में किसी भी तरह का बदलाव नहीं किया गया है. साल 2019 में तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली के बीमार होने की वजह से पीयूष गोयल ने अंतरिम बजट पेश किया था. ये बजट लोगों की उम्मीदों के

अनुसार था. इसकी वजह से बीजेपी एक बार फिर प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में लौटी थी.

पीएम किसान स्कीम-इस अंतरिम बजट में पीयूष गोयल ने किसानों के लिए सपोर्ट स्कीम, मजदूरों के लिए नई पेंशन स्कीम सहित कई बड़ी घोषणाएं की थी. सरकार ने पांच साल पहले 750 बिलियन रुपए के जरिए किसानों की मदद की बात की थी. सरकार किसानों को सीधे उनके खाते में हर साल 6 हजार रुपए दे रही है. इस स्कीम का लाभ उन किसानों को मिल रहा है जिनके पास 2 हेक्टेयर से कम की जमीन है.

5 लाख तक की छूट-2019 के अंतरिम बजट में 5 लाख तक के टैक्सेबल आय से पूर्ण रूप से छूट की घोषणा की थी. इस ऐलान के बाद उन सभी लोगों को फायदा हुआ जिनकी सलाना आय 6 लाख 50 हजार रुपए तक थी. इसमें पीएफ, लाइफ इंश्योरेंस में निवेश जैसे प्रावधान है जो इनकम टैक्स एक्ट 80सी के अंतर्गत छूट दिए जाते हैं. पीयूष गोयल के द्वारा इस घोषणा का लाभ बीजेपी को चुनाव में हुआ. बीजेपी 2014 के बाद एक बार फिर 2019 में पूर्ण बहुमत के साथ आई. पीएम नरेंद्र मोदी की अगुवाई में सरकार का गठन किया.

दो करोड़ और नए घर बनाए जाएंगे- पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतरिम बजट पर कहा कि, हमें एक बड़ा लक्ष्य तय करना है. उसे प्राप्त करते हैं और फिर उससे भी बड़ा लक्ष्य अपने लिए तय करते हैं. पीएम मोदी ने कहा कि गरीबों के लिए हमने गांवों और शहरों में चार करोड़ से अधिक घर बनाए. अब हमने दो करोड़ और नए घर बनाने का लक्ष्य रखा है. हमने दो करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा था. अब इस लक्ष्य को बढ़ाकर तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य कर दिया गया है.

अनगिनत रोजगार के नए अवसर तैयार- पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इस बजट में स्टार्टअप को मिलने वाली टैक्स छूट के विस्तार का भी ऐलान किया गया है. इस बजट में फिजिकल डेफिसिएट को नियंत्रण में रखते हुए कैपिटल एक्सपेंडिचर को 11 लाख 11 हजार, 111 करोड़ की ऐतिहासिक ऊंचाई दी गई है. पीएम मोदी ने कहा कि इससे भारत में 21वीं सदी के आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए अनगिनत रोजगार के नए अवसर तैयार होंगे. पीएम मोदी ने कहा कि बजट में वंदे भारत स्टेंडर्ड के 40 हजार आधुनिक बोगियां बनाकर उन्हें सामान्य यात्री ट्रेनों में लगाने का ऐलान किया गया है. जिससे अलग-अलग रेल रूट पर करोड़ों यात्रियों को में आरामदायक यात्रा का अनुभव बढ़ेगा.

इस बजट में में कोई ऐसी बात नहीं: फारूक अबदुल्ला

नेशनल कांफ्रेंस के नेता फारूक अबदुल्ला का कहना है ?कि इस बजट में में कोई ऐसी बात नहीं है। अब असली बजट जुलाई में आएगा. अबदुल्ला ने उम्मीद जताई है कि इससे लोगों को लाभ होगा. अबदुल्ला ने आशा जताई है कि नए रोजगार मिले। टूरिज्म बढ़े और देश की तरक्की हो. महिलाओं को लखप?ति बनाने के दावे पर भी फारूक अबदुल्ला ने खुशी जाहिर की है

7 लाख तक की आय पर कोई टैक्स नहीं,

नई दिल्ली।मोदी सरकार 2.0 का आखिरी बजट आज संसद में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पेश किया. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अपने कार्यकाल का छठा बजट पेश किया है. ये अंतरिम बजट है. बजट भाषण में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि आयात शुल्क सहित प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों की टैक्स दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है. वहीं, 2014 के बाद से कर दाखिल करने वालों की संख्या में 2.4 गुना की बढ़ोतरी हुई है और डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन तीन गुना हो गया है. इस अंतरिम बजट में आम लोगों के लिए कोई बड़ी घोषणा नहीं की गई और ना ही टैक्स स्लैब में कोई बदलाव किया गया. यानी पुराने टैक्स स्लैब को ही बरकरार रखा गया है. 7 लाख रुपये तक की आय में कोई टैक्स नहीं चुकाना पड़ेगा. नई और पुरानी टैक्स रिजीम को उदाहरण के तहत आज हम आपको समझाने की कोशिश कर रहे हैं.

क्या है पुरानी टैक्स रिजीम -पहले आपको पुरानी टैक्स रिजीम के बारे में समझाते हैं. मान लीजिए अगर किसी की सालाना आय 5 लाख रुपये है. पुराने टैक्स रिजीम में 2.5 लाख रुपये तक की इनकम टैक्स फ्री है. ऐसे में बचे हुए 2.5 लाख रुपये पर उसे 5त्न के हिसाब से टैक्स चुकाना पड़ेगा. यानी, उसे 12,500 रुपये टैक्स की देनदारी होगी, लेकिन सरकार इस टैक्स को इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 87 के तहत माफ कर देती है. लेकिन इसमें भी एक क्लॉज है. यदि आपकी आय 5 लाख रुपये से एक रुपये भी ज्यादा है तो आपको एक रुपये पर नहीं बल्कि 250001 रुपये पर टैक्स चुकाना पड़ेगा. अब 2.5 लाख रुपये पर 5त्न के हिसाब से 12,500 रुपए की टैक्स देना पड़ेगा. वहीं, बचे हुए 1 रुपए पर 20 फीसदी के हिसाब से टैक्स की देनदारी होगी.

बजट से पहले सरकार का बड़ा ऐलान स्मार्ट फोन की कीमतों में होगी कटौती

नई दिल्ली । जिसके कई दिनों से कयास लगाए जा रहे थे, आखिर सरकार ने आमजन की जरूरतों का ख्याल रखते हुए बड़ा फैसला लिया है. आपको बता दें कि ये फैसला अंतरिम बजट से सिर्फ एक दिन पहले लिया गया है. आने वाले दिनों में आपको स्मार्ट फोन्स सस्ते मिलेंगे. मोबाइल में यूज होने वाले कंपोनेंट्स के लिए इंपोर्ट ड्यूटी को 15 फीसदी से घटाकर 10 फीसदी कर दिया है. जिसका सीधा असर स्मार्ट फोन्स की कीमतों पर पड़ने वाला है. सरकार के इस फैसले से आम जनता को काफी फायदा होने वाला है.

नोटिफिकेशन किया जारी-आपको बता दें कि सरकार ने हाल ही में एक नोटिफिकेशन जारी किया है. जिसमें साफ कहा गया है कि मोबाइल फोन के पार्ट्स जैसे बैक

कवर, बैट्री कवर, जीएसएम एंटीना, मेन कैमरा लेंस और प्लास्टिक और मेटल्स की दूसरी मैकेनिकल आइटम्स पर इंपोर्ट ड्यूटी 5 से 10 फीसदी तक कम कर दिया गया है. यानि मोबाइल फोन्स की कीमतें भी लगभग 5 से 10 प्रतिशत तक कम हो जाएंगी. हालांकि ये घोषणा अभी नहीं की है कि कितनी फीसदी कीमतें कम होंगी. लेकिन पार्टस पर इंपोर्ट ड्यूटी कम करके बड़ा संदेश दिया है.

50 बिलियन डॉलर वैल्यू की होगी इंडस्ट्री-जानकारी के मुताबिक, वित्त वर्ष 2024 में लगभग 50 बिलियन डॉलर वैल्यू के मोबाइल फोन बनाने की उम्मीद जताई जा रही है. जिसे अगले वित्तीय वर्ष में और बढ़ाने की अपील की जा रही है. वित्त वर्ष 2024 में निर्यात बढ़कर लगभग 15 अरब डॉलर और फिर वित्त वर्ष 2025 में 27 अरब डॉलर तक बढ़ने की संभावना है. एक्सपर्ट का मानना है कि देश की मोबाइल फोन इंडस्ट्री दुनिया में तहलका मचाने वाली है. एपल का कारोबार लगातार बढ़ रहा है. सैमसंग व अन्य स्मार्ट फोन्स की मैन्यूफेक्चरिंग भी काफी हद तक बढ़ गई है.

बजट में 2047 के विकसित भारत की नींव को मजबूत करने की गारंटी: पीएम मोदी

नई दिल्ली।मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का आज अंतिम बजट पेश किया गया. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मोदी सरकार में छठवीं बार बजट पेश किया. इस बजट से हर वर्ग के लोगों को काफी उम्मीदें थी, सबसे ज्यादा नौकरी पेशा लोगों को टैक्स में कटौती की उम्मीद थी लेकिन सरकार ने इस बजट में टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं किया. हालांकि मोदी सरकार ने अपने पहले कार्यकाल के अंतिम बजट में कई बड़ी योजनाओं की घोषणा की थी. 2019 के आम चुनाव से पहले आए अंतरिम बजट में भी मोदी सरकार ने आम से लेकर खास लोगों को फायदा पहुंचाने वाली कई बड़ी घोषणाएं की थीं. हालांकि निर्मला सीतारमण ने आज पेश किए गए बजट में ऐसी कोई बड़ी घोषणा नहीं की. बता दें कि अप्रैल-मई में होने वाले लोकसभा चुनाव के चलते सरकार इस बार सरकार ने अंतरिम बजट पेश किया है. मई में नई सरकार के गठन के बाद जुलाई में सरकार पूर्णकालिक बजट पेश करेगी.

2019 के अंतरिम बजट में की गई थीं ये घोषणाएं-इस साल के अंतरिम बजट से लोगों को इसलिए उम्मीदें हैं क्योंकि 2019 के अंतरिम बजट में भी मोदी सरकार ने किसान, मजदूर, नौकरी पेशा, उद्योग, सेना, शिक्षा समेत तमाम क्षेत्रों के लिए कई खास योजनाओं की घोषणा की थी. इसमें किसानों के लिए सबसे अहम योजना प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि% थी. इस योजना की घोषणा मोदी सरकार के पहले कार्यकाल के आखिरी बजट यानी 2019 के अंतरिम बजट में की गई थी. इस योजना के तहत सरकार हर साल 2000-2000 रुपये की तीन किस्तों में 6000 रुपये देगी है. जिससे देश के 12 करोड़ छोटे और सीमांत किसानों को लाभ मिलता है.

टैक्स में भी किया था बदलाव-यही नहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने पहले कार्यकाल के आखिरी बजट में मध्यम वर्ग के लोगों को भी लाभ दिया था. इसके तहत सरकार ने 10 हजार रुपये स?टैंडर्ड डिडक?शन की लिमिट को बढ़ा दिया था. पहले स?टैंडर्ड डिडक?शन 40,000 रुपये था जिसे बढ़ाकर 50,000 रुपये कर दिया था.

बढ़ाई गई टीडीएस लिमिट-मोदी सरकार ने 2019 के बजट में ञ्जष्ठस् लिमिट में बढ़ोतरी की थी. इस अंतरिम बजट में सरकार ने बैंक और डाकघर से मिलने वाली ब?याज पर ञ्जष्ठस् को 10,000 रुपये बढ़ाकर 40,000 रुपये किया था. वहीं रेंट वाली इनकम पर टीडीएस 1,80,000 रुपये से बढ़ाकर 2,40,000 रुपये कर दिया था.

प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना-इसके अलावा 2019 के अंतरिम बजट में मोदी सरकार ने %प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना की घोषणा की थी. इस योजना को असंगठित क्षेत्र के 10 करोड़ श्रमिकों और कामगारों को पेंशन का लाभ मिलता है. इस योजना के तहत 100 या 55 रुपये प्रतिमाह के योगदान पर 60 साल की उम्र के बाद लाभार्थी को प्रतिमाह 3000 रुपये की पेंशन मिलती है.

पूजा रुकवाने को लेकर मुस्लिम पक्ष पहुंचा इलाहाबाद हाईकोर्ट, 15 दिन की मोहलत मांगी

नई दिल्ली। ज्ञानवापी परिसर में स्थित व्यास तहखाने में पूजा की इजाजत मिल चुकी है. इसके बाद बुधवार को देर रात व्यास तहखाने में मूर्तियां रखकर पूजा आरंभ हो चुकी है. वहीं दूसरी ओर व्यास जी के तहखाने में पूजा के अधिकार के खिलाफ मुस्लिम पक्ष ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर की है. अंजुमन इंतजामिया कमिटी ने इस पर जल्द सुनवाई की गुहार लगाई है. वहीं निचली अदालत के निर्णय को चुनौती दी है. आपको बता दें कि हिंदू पक्षकार पहले ही केविएट दाखिल कर चुके हैं.

15 दिनों तक आदेश को लागू नहीं किया जाना चाहिए-ज्ञानवापी परिसर में व्यास जी के तहखाने में पूजा का अधिकार फिर से वाराणसी जिला अदालत में पहुंच चुका है. मुस्लिम पक्ष ने कोर्ट से 15 दिनों की मोहलत मांगी है. इस याचिका में ऐसा कहा गया है कि 15 दिनों तक आदेश को लागू नहीं किया जाना चाहिए. पक्ष ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल करने को लेकर समय मांगा है.

इससे पहले पहुंचे सुप्रीम कोर्ट-गौरतलब है कि इससे पहले ज्ञानवापी मामले को लेकर अंजुमन इंतजामिया मस्जिद कमेटी ने जिला न्यायाधीश के उस आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है, जिसमें हिंदू पक्ष को मस्जिद के सीलबंद तहखाने के अंदर पूजा करने की इजाजत दी गई थी. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मस्जिद समिति ने कल रात सुप्रीम कोर्ट के वेकेशन रजिस्ट्रार से संपर्क किया. इस दौरान आदेश के 7 घंटे के भीतर वाराणसी प्रशासन द्वारा रातोंरात इसके कार्यान्वयन की वजह से तुरंत सूचीबद्ध करने की मांग की थी.

वाराणसी कोर्ट के आदेश पर रोक लगाने का अनुरोध किया-मुस्लिम पक्ष की कानूनी टीम में वकील फुजैल अय्यूबी, निजाम पाशा और आकांशा शामिल थे. उन्होंने गुरुवार की सुबह 3 बजे सुप्रीम कोर्ट के वेकेशन रजिस्ट्रार से संपर्क किया. उसने वाराणसी कोर्ट के आदेश पर रोक लगाने का अनुरोध किया. इस तरह से वे कानूनी उपाय तलाश सकेंगे. रजिस्ट्रार ने सुबह के 4 बजे भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के समक्ष दस्तावेज रखे.

वरिष्ठ गीतकार स्वर्गीय रमेश गोहिया की स्मृति में किया जाएगा प्रति वर्ष एक साहित्यकार का सम्मान

प्रथम पुण्यतिथि पर हुआ विचार एवं काव्य गोष्ठी का आयोजन

शीघ्र होगा काव्य कृति दर्द ही हमारा है का विमोचन – आकाश माथुर

सीहोर। गुरुवार को स्थानीय रुक्मणी गोविंद गार्डन में वरिष्ठ गीतकार स्वर्गीय रमेश गोहिया की प्रथम पुण्य स्मृति के अवसर पर विचार एवं काव्य का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में साहित्यकार, पत्रकार और गणमान्य नागरिकों ने उपस्थित होकर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. बलबीर तोमर ने की। विशेष अतिथि साहित्यकार शैलेष तिवारी थे।इस अवसर पर सृजन साहित्य परिषद द्वारा घोषणा की गई कि स्व. रमेश गोहिया की स्मृति में प्रति वर्ष एक साहित्यकार को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर एवं स्वर्गीय रमेश भैया के चित्र पर पुष्प माला अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। सरस्वती वंदना गीतकार जोरावर सिंह ने प्रस्तुत की। अतिथियों का स्वागत वरिष्ठ पत्रकार रघुवर दयाल गोहिया, गोविंद लोवानिया और राम सिंह परमार ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विजेंद्र जायसवाल ने किया।श्रद्धांजलि कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वर्गीय रमेश गोहिया के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर हरिओम शर्मा, जयमल सिंह रजपाल, रघुवर दयाल गोहिया, विनोद पंसारी एवं साहित्यकारों ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉक्टर बलबीर तोमर ने कहा कि रमेश भाई साहब की पुण्यतिथि को आगे और अधिक व्यापक रूप से मनाएंगे। इसमें जिस प्रकार का भी सहयोग होगा हम करेंगे। इस अवसर पर आयोजित काव्य गोष्ठी में जयमल सिंह रजपाल, हरिओम शर्मा , द्वारका बांसुरिया, हीरालाल शर्मा, जोरावर सिंह, डॉ विजेंद्र जायसवाल, ओमप्रकाश तिवारी, प्रदीप चावड़ा, एडवोकेट सुभाष चौहान, दिनेश भोपाली, धर्मराज देशराज ,विनोद पंसारी, संतोष जैन संतु, रामबाबू सक्सेना, विनोद पंसारी सुनील शर्मा, जितेंद्र राठौर आदि मुख्य रूप से रहे। कार्यक्रम में डॉक्टर अशोक पिचोनिया, गोविंद लोवानिया, पंकज पंजवानी , महेश राय, देवऋषि गोहिया, पत्रकार नावेद जाफरी, हिमालय गोहिया, स्वतंत्रता सेनानी परिवार संघ के प्रदेश महासचिव अशोक सिंधु भोपाल, नितिन उपाध्याय, बालमुकुंद राय, रविंद्र जायसवाल आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे। अंत में सभी उपस्थितों का आभार पत्रकार संतोष सिंह ने किया।

सीरवी समाज परगना समिति बिलाड़ा बेंगलूर की नई कार्यकारिणी का गठन

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

बेंगलूरू सीरवी समाज परगना समिति बिलाड़ा बेंगलूरू की नई कार्यकारिणी का गठन आईमाता वडेर माराथल्ली मै किया गया। सभा का शुभारंभ आईमाताजी तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित से हुआ। जिसमें संरक्षक गोपाराम काग, अध्यक्ष नारायणलाल चांदावत, उपाध्यक्ष ओमाराम हाम्बड़, माधुराम मुलेवा, सचिव जवरीलाल राठौड़, सह-सचिव जगदीश चोयल, कोषाध्यक्ष दलपत बर्फा, सह-कोषाध्यक्ष प्रभुलाल राठौड़, मिडिया प्रभारी कैलाश बर्फा, सलाहकार जगदीश हाम्बड़, सुराराम राठौड़, बुदाराम पंवार को चुना गया

मोदी सरकार का अंतरिम बजट, 2047 का रोडमैप : सांसद चौधरी

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

जोधपुर। वित्त मंत्री निर्मला सीतामरण ने अंतरिम बजट प्रस्तुत किया, वो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के विजन 2047 का रोडमैप है। वहीं बजट के माध्यम से मोदी सरकार द्वारा पिछले 10 वर्षों में हासिल किए गए समावेशी विकास और हर वर्ग की प्रगति पर प्रकाश डालते हुए गरीब, युवा, नारी और अन्नदाता के कल्याण के लिए हमारी सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। पूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री और पाली सांसद चौधरी ने मोदी सरकार के पेश किए गए अंतरिम बजट पर मीडिया में अपना व्यक्तव्य दिया। उन्होंने कहा कि गत दस वर्षों में जीडीपी, शासन, विकास और

प्रदर्शन का ट्रैक रिकॉर्ड प्रभावशाली रहा है। हमारे विवेकपूर्ण आर्थिक प्रबंधन ने वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना किया है। यह बजट विकसित भारत के निर्माण का एक खाका है। यह मोदी की गारंटी में विश्वास और विश्वास को मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि यह अंतरिम बजट एक व्यापक रोडमैप के रूप में कार्य करेगा और महिलाओं, युवाओं, किसानों, मध्यम वर्ग और सभी हाशिए पर रहने वाले वर्गों को सशक्त बनाते हुए 2047 तक एक आत्मविश्वास से भरे आत्मनिर्भर-विकसित भारत की नींव रखेग। उन्होंने हर देशवासी के कल्याण एवं उत्थान को समर्पित नए विकसित भारत का बजट देने हेतु नए भारत के शिल्पी नरेन्द्र मोदी एवं वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के प्रति आभार प्रकट किया।

उरई महंत शारदा महाराज जी पीठाधीश्वर, शारदा धाम, बैरागढ़ (उ.प्र.), राष्ट्रीय हिंदू वाहिनी संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (संत प्रकोष्ठ), मनोनीत किए गए

दैनिक पुष्पांजलि टुडे की रिपोर्ट

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रमेश चंद द्विवेदी ÷राजू भैया÷, ने शारदा धाम, बैरागढ़ पर जाकर शारदा महाराज जी को सम्मानित किया। आप सभी को सहर्ष सूचित किया जाता है कि, महंत शारदा महाराज जी, पीठाधीश्वर, शारदा धाम, बैरागढ़ (उ.प्र.) को सर्वसम्मति से राष्ट्रीय हिंदू वाहिनी संगठन का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (संत प्रकोष्ठ) मनोनीत किया गया है। शारदा महाराज जी जैसे महान संत का संगठन को आशीर्वाद मिलना हम सबके लिए एक गौरव का विषय है, जिससे

संगठन के सभी पदाधिकारी प्रफुल्लित है।राष्ट्रीय हिंदू वाहिनी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रमेश चंद्र द्विवेदी ÷राजू भैया÷, ने संगठन के कार्यकर्ताओं के साथ शारदा धाम, बैरागढ़ जाकर महंत जी को नियुक्ति पत्र तथा परिचय पत्र भेंट किया तथा शाल ओढ़ाकर व श्रीफल भेंट करके उन्हें सम्मानित किया। शारदा महाराज जी ने भी राष्ट्रीय अध्यक्ष जी को चुनरी ओढ़ाकर आशीर्वाद प्रदान किया। उक्त अवसर पर बुंदेलखंड उपाध्यक्ष श्री योगेश त्रिपाठी, बसु कुलश्रेष्ठ, मिट्ठू महाराज, शारदा धाम के पुजारी श्याम जी, सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी वह भक्तगण उपस्थित रहे। उक्त अवसर पर श्री विनोद चतुर्वेदी, विधायक जालौन ने भी उपस्थित होकर शारदा महाराज जी का आशीर्वाद प्राप्त किया।

समाधान आपके द्वार कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन हेतु द्वितीय चरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन हुआ

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । समाज के निर्धन तथा वंचित वर्गो को सुलभ एवं समुचित तरीके से त्वरित न्याय दिलाने तथा ''न्याय सभी के लिए'' संकल्प को आगे बड़ाते हुए माननीय न्यायमूर्ति रोहित आर्या प्रशासनिक न्यायमूर्ति म.प्र. उच्च न्यायालय खण्डपीठ ग्वालियर एवं सह-अध्यक्ष उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति ग्वालियर द्वारा समाधान आपके द्वार अभियान का आरंभ किया गया है। इस संकल्प को आगे ले जाने तथा अभियान की अधिकतम सफलता सुनिश्चित करने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भिण्ड पूर्णतः वचनबद्ध है। जिला पंचायत भिण्ड के सभागार में लेवल- 1 एवं लेवल- 2 एवं लेवल-3 के अधिकारिया एवं कर्मचारियों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन वर्चुअल एवं ऑनलाईन वीडियों कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से किया गया जिसमें जिला भिण्ड हेतु गठित क्लस्टर के लेवल-1, लेवल-2 एवं लेवल-3 के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में हिमांशु कौशल, जिला न्यायाधीशध्सचिव जिविसेप्रा भिण्ड,

अंकुर रवि गुप्ता, डिप्टी कलेक्टर, रवि मालवीय एस.डी.एम. भिण्ड,पराग जैन एस.डी.एम. अटेर एवं गोहद, समस्त विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण,समस्त तहसीलदार एवं पटवारी,सचिव,कोटवार,बीट गार्ड आदि उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित रहे एवं उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु रूपरेखा तैयार की गई। समाधान आपके द्वार योजना के अंतर्गत लेवल-1, लेवल-2 अधिकारियों को चिन्हित किये जाने वाले प्रकरणों की प्रकृति तथा संबंधित पक्षों के मध्य सुलह-समझौता के माध्यम से मामलों के निराकरण की प्रक्रिया के संबंध में प्रशिक्षण प्रदाय किया गया एवं समस्त वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा उक्त कार्यक्रम में उपस्थित लेवल-3 के कर्मचारियों को अवगत कराया गया कि उन्हें किस प्रकार से प्रकरण को चिन्हित कर उनका निराकरण कराया जाना है। कुटुम्ब न्यायालय के प्रकरणों के बारें में जानकारी देते हुए बताया गया कि किसी भी ग्राम का परिवारिक विवाद या पति-पत्नी का विवाद यदि उत्पन्न है तो उसे किस प्रकार से आपसी समझाइश देकर मध्यस्थता के माध्यम से समाप्त किया जा सकता है इस बारें में भी जानकारी दी गई तथा दिनांक 24 फरवरी, 2024 को आयोजित होने वाले ''समझौता-समाधान शिविर'' में अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करने हेतु प्रेरित किया गया।

ननिहालों ने दिया घर-घर स्वच्छता का संदेश

दैनिक पुष्पांजली टुडे संवाददाता मालनपुर
पहलवान सिंह राजावत

मालनपुर/नगर परिषद मालनपुर में गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट लिमिटेड की सहयोगी संस्था फीडबैक फाउंडेशन चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा स्कूली बच्चों के साथ नगर में स्वच्छता रेली निकाली रैली को झंडी दिखाकर शुभारंभ किया गया, जिसमें बच्चों द्वारा स्वच्छता से संबंधित नारे लगाते हुऐ और घर-घर लोगों से शहर की स्वच्छता में साथ देने हेतु आग्रह किया गया, यह रैली मालनपुर पेट्रोल पम्प थाने के सामने से होते हुए ई एस आई हॉस्पिटल के सामने से होते हुऐ राम जानकी मंदिर के पास अगल बगल वाली गलियों से गुजरी जहां लोगों ने बच्चों को ध्यानपूर्वक सुना,गया और सहयोग प्रदान किया गया उसके उपरांत वापस स्कूल परिसर पहुंचकर रैली का समापन हुआ

अवैध मदिरा विक्रेताओं के विरुद्ध आबकारी विभाग की लगातार कार्यवाही जारी

दो लाख रूपए की अवैध मदिरा जप्त, 04 आरोपी गिरफ्तार

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा के आदेश तथा सहायक आबकारी आयुक्त श्री अभिषेक तिवारी के निर्देशन में कसरावद वृत द्वारा आज 01 फरवरी को सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री बसंत भीटे के नेतृत्व में अवैध मदिरा विक्रेताओं के विरूद्ध कार्यवाही की है। आबकारी दल ने वृत कसरावद के ग्राम ओटा, बड़गांव तथा हीरापुर में दबिश देकर वृत प्रभारी आबकारी उपनिरीक्षक ओमप्रकाश

मालवीय द्वारा 34(1) क, के 05 प्रकरण पंजीबध्द कर, 04 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।आबकारी दल ने इन स्थानों से 60 लीटर हाथ भट्टी मदिरा जप्त की है। तथा 2000 किलोग्राम महुआ लहान जप्त कर सेम्पल लेकर, शेष लहान नष्ट किया गया। जप्त मदिरा का बाजार मूल्य लगभग 2 लाख रुपए है। कार्यवाही में आबकारी आबकारी आरक्षक शिवनारायण कटारे, संतोष वर्मा का सराहनीय योगदान रहा।

नर्मदा जयंती की तैयारी एवं सिंहस्थ 2028 के लिए प्रस्तावित कार्यों का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा ने आज 01 फरवरी को बड़वाह एवं महेश्वर का भ्रमण कर आगामी दिनों में मनायी जाने वाली नर्मदा जयंती की तैयारी का जायजा लिया एवं सिंहस्थ 2028 के लिए प्रस्तावित कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान बड़वाह एसडीएम श्री प्रताप कुमार अगास्या, महेश्वर एसडीएम श्री अनिल जैन, जनपद पंचायत बड़वाह के सीईओ सुश्री कंचन डोंगरे, बड़वाह एवं महेश्वर के तहसीलदार, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री विजय सिंह पंवार, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के एसडीओ एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री शर्मा ने बड़वाह पहुंचने पर सर्वप्रथम

तहसील कार्यालय का निरीक्षण किया तथा तहसीलदार एव नायब तहसीलदार से राजस्व महाअभियान की प्रगति की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने राजस्व महाअभियान के लक्ष्यों की समय सीमा में पूर्ति करने के निर्देश दिए। इसके पश्चात उन्होंने बड़वाह में 97 लाख रुपये की लागत से बनाए जा रहे एसडीएम कार्यालय भवन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण एजेंसी के अधिकारी को निर्देशित किया कि भवन का कार्य समय-सीमा में पूर्ण करें। उन्होंने बड़वाह एसडीएम को निर्देशित किया कि नये बन रहे एसडीएम कार्यालय में एक अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कराकर तहसील कार्यालय भी इसी परिसर में स्थानांतरित करें। वर्तमान में तहसील कार्यालय जिस भवन में लग रहा है उसमें नायब तहसीलदार कार्यालय लगाने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री शर्मा ने बड़वाह के नावघाटखेड़ी का निरीक्षण कर नर्मदा जयंती की तैयारी एवं सिंहस्थ 2028 के लिए प्रस्तावित कार्यों के संबंध में अधिकारियों से चर्चा की।

भोपाल में सक्षम का एक दिवसीय प्रांतीय कार्यकर्ता अधिवेशन हुआ संपन्न

महेंद्र शर्मा उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

भोपाल समाज सेवा न्यास भोपाल में दिव्यांगजनों के लिए समर्पित राष्ट्रीय संस्था समदृष्टि क्षमता विकास एवं अनुसंधान मंडल (सक्षम) द्वारा मध्यभारत प्रांत काएक दिवसीय प्रांतीय कार्यकर्ता अधिवेशन आयोजित किया गया।अधिवेशन का शुभारंभ सक्षम गीत एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया । अधिवेशन के मुख्य अतिथि सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह सम्मिलित हुए तथा दिव्यांगों के क्षेत्र में काम करने के लिए सक्षम संस्था की सराहना की । कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री सुनील मलिक जी ने की तथा में आयुष्मान कार्ड तथा मुफ्त में दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी दी तथा प्रांत प्रचारक श्री स्वप्निल जी कुलकर्णी ने दिव्यांगों के लिए संगठित होकर निरंतर कार्य करते रहने की प्रेरणा दी। अधिवेशन में सक्षम के प्रांत अध्यक्ष श्री रविन्द्र कोपरगांवकर, उपाध्यक्ष श्री आशीष चटर्जी प्रांत सचिव श्री सुरेश श्रीवास्तव जी सक्षम के मध्य क्षेत्र के संपर्क अधिकारी श्री अनिल जी डागा, सक्षम के प्रांतीय सह सचिव श्री दिनेश जी शर्मा ने भी उद्बोधन दिया तथा मंच का संचालन सक्षम के जिला सचिव प्रोफ.देवेन्द्र सिंह धाकड़ ने किया। मुख्य अतिथि का स्वागत जिला उपाध्यक्ष श्री दीपक शर्मा ने किया।उक्त अधिवेशन में मध्य भारत प्रांत के 16 जिले की जिला कार्यकारणी सम्मलित रही।

खेल हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा : तिरेश प्रधान

संकुल स्तरीय तीन दिवसीय बाल क्रीडा प्रतियोगिता पर्यटन स्थल कांदाडोंगर गुढ़ियारी में संपन्न हुआ जिसमें दस स्कूल के विद्यार्थी शामिल हुए

मुख्य अतिथि श्री तीरेश प्रधान जिला उपाध्यक्ष जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित के द्वारा पुरस्कार व फील्ड स्व. श्री पदमन सिंह प्रधान व श्रीमती देव कुमारी प्रधान के स्मृति में प्रदान किया गया मुख्य अतिथि श्रीमती भूमि लता यादव जनपद सदस्य मैनपुर, श्री तिरेश प्रधान जिला उपाध्यक्ष एवं सरपंच ग्राम पंचायत गुढ़ियारी श्री टीकम सिंह जी की अध्यक्षता में खेल कूद के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम में अपार जन समुदाय जुटे रहे हैं श्री प्रधान ने अपने भाषण में कहा कि खेल से बच्चों में मानसिक, शारीरिक ,बौद्धिक , एवं एकता का विकास होता है खेल हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा है, कांदाडोंगर में अयोजन का उद्देश्य पर्यटन को बढ़ावा देना भी है इस कार्यक्रम में संकुल प्राचार्य श्री वरुण चक्रधारी , संकुल समन्वयक श्री सुभाष कुमार पांडेय के मार्ग दर्शन, श्री कमल किशोर ताम्रकार के संचालन मे श्री गिरवर हरपाल,श्री रमेश कुमार कश्यप, श्री कमलेश जोशी, प्रवीन श्रीमति सविता जोशी,

राव, श्रीमति सविता जेठें, श्रीमति सरिता ध्रुव, श्रीमति सरिता कपिल श्री नरेंद्र यादव, श्री पदमन मांझी,श्री परमेश्वर बघेल,श्री यारेंद कोमर्रा श्री तेज कुमार सिन्हा श्री मुकेश कुमार सिन्हा, श्री मिलाप यादव ,श्री पूरन, आदि गणमान्य नागरिकों मे श्री अमरलाल यादव जी, उप सरपंच श्री चेतन दीवान, श्री मुकेश दीवान , श्री दामोदर सिंह सोरी,श्री मकरन धुर्वा श्री मान रोशन लाल जी अवस्थी श्री जयमल यादव जी आदि उपस्थित थे।विभिन्न खेलों में 100मीटर,200मीटर, दौड़, गोला फेंक, रस्सी दौड़, खो खो, कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित किया गया। प्रतियोगिता में चैंपियन प्राथमिक व माध्यामिक शाला भैंसमुड़ी और उप चैंपियन पूर्व माध्यमिक विद्यालय उसरीजोर व गोढीयारी के बच्चे रहे तथा सभी स्कूल के विद्यार्थी सांस्कृतिक कार्यक्रम में बढ़ चढ़ कर शामिल रहे हैं। वर्षो के बाद आयोजित तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता में शाला प्रबंधन समिती और स्व सहायता समूह के साथ ग्रामीण लोगों का योगदान सराहनीय रहा है

रह रही हैं घर से दूर, तो ऐसे सजाएं अपना कमरा

घर को तो आप सजाती ही होंगी, लेकिन अगर आप घर से दूर रह रही हैं तो अपने आशियाने को इस तरह सजाएं।

जब आप काम के सिलसिले में या पढ़ाई करने के लिए दूसरे शहर में जाती हैं तो आपको वहां पर घर से दूर किसी हॉस्टल के कमरे, पीजी या किराए के अपार्टमेंट में रहना पड़ता है। भले ही वह आपके लिए कुछ समय का ठिकाना हो, लेकिन फिर भी उसमें अपनेपन का अहसास होना बेहद जरूरी है। कुछ लड़कियों का तो घर से दूर नई जगह पर होमसिक फील करती हैं, ऐसे में वह अपनी पढ़ाई या काम में मन नहीं लगा पाती। इस समस्या का एक आसान तरीका है कि आप उस छोटे से आशियाने को अपने रंग में रंग दें।

जब बात किराए के अपार्टमेंट या हॉस्टल के कमरे को सजाने की बात आती है तो समस्या यह होती है कि आप उसे अपने मनमुताबिक रूप देना चाहती हैं, वहीं दूसरी ओर किसी दूसरे का घर होने के कारण आपके उपर बहुत सी बंदिशें होती हैं। आप कमरे का कलर अपनी पसंद का नहीं करवा सकतीं तो बहुत सी जगहों पर कील ठोकने और कुछ टांगने से भी मना किया जाता है। ऐसे में इन सभी लिमिटेशन का ध्यान रखते हुए आपको अपने कमरे को सजाना होता है। तो चलिए जानते हैं घर से दूर एक छोटे से घर को सजाने के कुछ आसान उपाय-

देखें कमरा

कमरे को सजाने से पहले जरूरी है कि आप पहले उसे अच्छे से देखें और समझें। इसका मतलब यह है कि कमरे को वास्तविकता में सजाने से पहले उसे अपने मन में सजाएं। इससे आपको समझ आएगा कि आपको कमरे को एक खूबसूरत लुक देने के लिए आपको किन चीजों की आवश्यकता होगी।

कम सामान

किराए के अपार्टमेंट या हॉस्टल का कमरा सजाते समय कोशिश करें कि आप कम से कम सामान का इस्तेमाल करें। दरअसल, जब आप घर से दूर किसी जगह पर होते हैं तो वहां स्पेस कम होता है। इसके अलावा अगर आप पढ़ने के लिए गई हैं तो ज्यादा सामान रखने से आपका काफी सारा वक्त उसकी साफ-सफाई में ही निकल जाएगा और ज्यादा सामान की केयर करना भी कई बार मुश्किल होता है। इसलिए कोशिश करें कि आप कम सामान में अपने घर या कमरे को खूबसूरत बनाएं।

बजट का ख्याल

किराए के अपार्टमेंट या हॉस्टल के कमरे को सजाने के लिए किसी भी सामान को खरीदने से पहले बजट का ख्याल जरूर रखें। एक बात समझ लें कि आपको उस घर में कुछ वक्त के लिए रहना है और उसके बाद जब आप अपने घर वापिस लौटेंगी तो ढेर सारा सामान ले जाना काफी मुश्किल हो जाएगा। इसके अलावा अगर आप ओवर बजट शॉपिंग करती हैं तो आपको अपनी जरूरी चीजों में कटौती करनी पड़ेगी, जो वास्तव में आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकता है।

पर्सनल टच

अगर आप सच में किसी दूसरे के घर को अपना सा बनाना चाहती हैं तो उसमें पर्सनल टच अवश्य दें। आप अपनी फैमिली की एक बड़ी सी फोटो दीवार पर लगा सकती हैं। इससे आपके अपने दूर होकर भी आपके करीब रहेंगे और सिर्फ एक फोटो से पूरा कमरा ही बदल जाएगा।

अपनाएंगी यह ट्रिक्स तो आपस में नहीं उलझेंगी केबल्स

हम सभी के घर में कई तरह की केबल्स होती हैं। एक ही घर में कई फोन होते हैं और हर फोन के लिए चार्जर होता है। ऐसे में इन चार्जर की केबल्स से लेकर लैपटॉप की केबल और आईपैड आदि की केबल्स घर को काफी मैसी बना देती हैं। इतना ही नहीं, फोन के लिए भी अलग से इयरबड के साथ केबल्स मिलती हैं। ऐसे में जब इन्हें एक साथ रखा जाता है या फिर चार्जिंग की जाती है तो यह केबल्स आपस में उलझ जाती हैं। कुछ लोग इन केबल्स को सुलझाने के लिए इन्हें कभी-कभी जोर से खींचते हैं। ऐसे में इन केबल्स को नुकसान होता है। इतना ही नहीं, इस कारण यह जल्दी खराब हो जाती हैं या टूट जाती हैं, तो फिर आपको फिर से नई केबल्स खरीदनी पड़ती हैं। वहीं, अगर वर्क टेबल पर यह केबल्स आपस में उलझी हुई रखी हों तो इसका विपरीत असर आपके काम पर भी पड़ सकता है। तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी आसान ट्रिक्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें फॉलो करके आप इन केबल्स या तारों को बार-बार उलझने से बचा सकते हैं-

बनाएं चार्जिंग स्टेशन

यह एक सिंपल और बेहतरीन तरीका है अलग-अलग केबल्स को आपस में उलझने से बचाने का। अगर आप चाहें तो घर पर ही पुराने कार्डबोर्ड या फिर लकड़ी की मदद से एक चार्जिंग स्टेशन तैयार कर सकते हैं। यह चार्जिंग स्टेशन ना केवल आपके लैपटॉप से लेकर फोन तक की चार्जिंग को अधिक कन्विनियंट बनाएगा, बल्कि इससे आपकी वर्क टेबल भी अधिक आर्गेनाइज्ड लगेगी। इतना ही नहीं, चूंकि आप हर केबल के लिए एक अलग चार्जिंग प्वाइंट बनाएंगे तो आपको बार-बार चार्जिंग केबल्स ढूंढने में भी मेहनत नहीं करनी पड़ेगी।

लें बॉक्स का सहारा

अगर आपके घर में तरह-तरह की कई केबल्स हैं और इसलिए आप चाहकर भी उन्हें सही तरह से आर्गेनाइज नहीं कर पाती हैं या फिर वह इधर-उधर पड़ी रहती हैं और ऐसे में आपस में बार-बार उलझ जाती हैं। तो ऐसे में आप किसी पुराने बॉक्स का सहारा लें। आप कार्डबोर्ड की मदद से इसमें अलग-अलग कंपार्टमेंट बनाएं। साथ ही इसे अधिक ब्यूटीफुल लुक देने के लिए आप इस पर कलर कर सकती हैं या फिर कलरफुल शीट को भी पेस्ट किया जा सकता है। इसके बाद आप इन कंपार्टमेंट में मार्किंग करें और इस तरह आप अलग-अलग केबल्स को रबर लगाकर इस बॉक्स में आसानी से रख सकती हैं।

पेपर रोल का करें इस्तेमाल

अगर आपके पास स्पेस कम है और ऐसे में आप एक बिग साइज बॉक्स का इस्तेमाल नहीं कर सकती हैं तो पेपर रोल का यूज भी किया जा सकता है। आप केबल्स को फोल्ड करके उस पर रबर लगा दें। इसके बाद पेपर रोल से उसे कवर कर दें। आप चाहें तो पेपर रोल के उपर भी एक रबर लगा सकती हैं। इसी तरह आप सभी केबल्स को रखें। एक छोटी सी ड्राअर में सभी केबल्स को आप आसानी से रख पाएंगी और वह आपस में टैंगल भी नहीं होंगी। (एक प्रोफेशनल की तरह करना है क्लिक तो इन इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का लें सहारा)

बनाएं कलरफुल केस

अगर आप एक स्मॉल स्पेस में अपनी सभी केबल्स को टैंगल्स होने से बचाना चाहती हैं तो ऐसे में एक कलरफुल केस भी बनाया जा सकता है। यूं तो आपको मार्केट में कॉर्ड आर्गेनाइजर केस आसानी से मिल जाएगा। जिसमें एक साथ कई केबल्स को रखने की सुविधा होती है। लेकिन अगर आप अतिरिक्त पैसे खर्च नहीं करना चाहती हैं तो घर पर भी इसे तैयार किया जा सकता है। इसके लिए आप किसी पुराने लेदर के कपड़े पर इलास्टिक स्टिच करें। पहले दोनों एंड्स से इलास्टिक को स्टिच करने के बाद एक-एक इंच की दूरी पर स्टिच करती जाएं। इस तरह केबल्स रखने के लिए अलग-अलग सेक्शन तैयार हो जाएंगे।

स्मार्टफोन को तो सभी क्लीन रखते हैं, लेकिन क्या आप ने ईयरफोन के वायर पर मौजूद गंदगी को साफ किया। अगर नहीं तो यहां बताई गई तरीको को जरूर आजमाएं।

रोजाना इस्तेमाल होने वाली ऐसी कई चीजें हैं, जो गंदी हो जाने के बावजूद भी हम उसका इस्तेमाल करते रहते हैं। हालांकि, आजकल भागदौड़ भरी जिंदगी में छोटी-छोटी चीजों का ख्याल लोग नहीं रख पाते हैं।

जैसे ईयरफोन, जिसका इस्तेमाल ज्यादातर लोग रोजाना करते हैं। गाना सुनना हो या फिर बात करनी हो, इसकी जरूरत हमेशा पड़ती है। यही नहीं कई लोग इसे एक-दूसरे से एक्सचेंज भी करते हैं, जो कि पर्सनल हाइजीन के लिए बिल्कुल सही नहीं है। कुछ लोग ईयरफोन के रखरखाव का खास ख्याल नहीं रखते हैं। कुछ लोग इसे मोड़कर कहीं भी रख देते हैं, जिसकी वजह से धूल-मिट्टी चिपक जाती है। गंदा वायर और ईयरफोन देखने में अच्छे नहीं लगते हैं और पर्सनल हाइजीन के लिए भी सही नहीं है। ऐसे में आज हम आपको बताएंगे कुछ तरीके जिसकी मदद से आप वायर के साथ ईयरफोन को भी अच्छी तरीके से क्लीन कर सकती हैं।

गंदा हो गया है ईयरफोन का वायर तो उसे ऐसे करें क्लीन

ईयरफोन के वायर को ऐसे करें क्लीन

सबसे पहले इयरफोन वायर को क्लीन करने की आवश्यकता है। ध्यान रखें कि वायर को पानी में नहीं डालना है बल्कि एक कपड़े की मदद से पोंछते हुए इसे साफ करेंगे। इसके लिए एक बाउल में पानी लें और उसमें डिशवॉश लिक्विड और विनेगर(विनेगर का इस्तेमाल) मिक्स कर दें। अब इन तीनों ही चीजों को अच्छी तरह मिक्स कर घोल तैयार करें। अब एक कपड़ा लें और उसे मिश्रण में डिप करें और ईयरफोन के वायर को पोंछें। ध्यान रखें कि एक बार पोंछने के बाद कपड़े के दूसरे साइड से इसे दोबारा पोंछें। इस दौरान पानी की एक भी बूंद ना स्पीकर और ना ही बड्स पर गिरनी चाहिए, वरना ईयर फोन खराब हो सकता है।

ईयरफोन बड्स को क्लीन करने का तरीका

बड्स की क्लीनिंग पानी या फिर किसी भी तरह के लिक्विड से नहीं की जा सकती है। एक बूंद भी अंदर जाने के बाद बड्स पूरी तरह से खराब हो सकते हैं। इसके लिए ईयरबड्स लें और उसकी मदद से सफाई करें। इसके अलावा ऊपर वाले हिस्से को कपड़े से पोंछ दें। बड्स को क्लीन करते वक्त आप चाहें तो नेल पेंट रिमूवर (नेल पेंट रिमूवर का इस्तेमाल) या फिर रबिंग अल्कोहल का इस्तेमाल कर सकती हैं। हालांकि आप ईयरबड्स की मदद से ही नेल पेंट रिमूवर और रबिंग अल्कोहल का इस्तेमाल करें।

हेडफोन या फिर ब्लूटूथ के वायर की सफाई

हेडफोन, ब्लूटूथ या फिर अन्य कोई वायर वाले गैजेट्स हैं, तो उन्हें हफ्ते में एक बार जरूर क्लीन करें। अगर आप इसे पानी या फिर अन्य लिक्विड वॉश से क्लीन नहीं करना चाहती हैं तो सिर्फ पेट्रोल की मदद से भी इसे क्लीन किया जा सकता है। इसके लिए आप एक कपड़े में 5 से 6 बूंद पेट्रोल डालें और उसकी मदद से वायर को साफ कर दें। इयरफोन वायर और अन्य वायर वाले गैजेट्स को साफ करने का यह सबसे आसान और बेस्ट तरीका है।

बच्चा खाने-पीने में टालमटौल तो नहीं करता

वह समय बीत चुका है, जब पैरेन्ट अपने बच्चों को तोता-मैना की कहानी सुनाते हुए उन्हें खाना खिलाते थे। अब न तो उनके पास उन्हें कहानी सुनाने का टाइम है और न ही ढंग से खाना खिलाने का। वैसे आजकल बच्चे प्राय: खाने-पीने के मामले में बेहद चूजी होते जा रहे हैं। खाने को लेकर ये हमेशा नाक-भौं सिकोड़ते हैं। हालांकि यह आदत 2 से 10 साल तक के किशोर उम्र तक के बच्चों को ही रहती है। अगर ये आदतें आपके बच्चों में भी हैं तो पैरेन्ट्स होने के नाते आप सावधान हो जाएं! एक ताजा शोध के अनुसार बच्चों की इस आदत की वजह से उन्हें पेडिएट्रिकफीडिंग डिसऑर्डर की बीमारी हो सकती है।

इस बीमारी के कारण बच्चों की खाने-पीने की आदतें बदलने लगती हैं, वे ज्यादा कैलोरी और पोषक तत्व वाले भोजन नहीं लेते, जो शारीरिक विकास के लिए जरूरी हैं। खाने-पीने की यह आदत एक आम बीमारी है, जो बच्चों को अकसर ऐसे माहौल में हो जाती है, जहां उन्हें तरह-तरह की खाने की चीजें मिलती हैं।

हालांकि देखा गया है कि अधिकांश बच्चे बहुत कम खाना खाते हैं या अपनी मनपसंद की चीजें ही खाने में रुचि लेते हैं। जिसकी वजह से वह बिना पोषक तत्व वाले भोजन से ज्यादा कैलोरी लेते हैं। आजकल बच्चे घर में बनी या मार्केट की कुछ निश्चित फास्ट फूड ही लेना पसंद करते हैं, जो टेस्टी तो होते हैं, लेकिन न तो वे पौष्टिक होते हैं और न ही हेल्दी डाइट। जिसकी वजह से बच्चों को शारीरिक विकास के लिए पर्याप्त पोषक तत्व नहीं मिल पाता है।

मां है जिम्मेदार

बच्चों की इस आदत पर किए गए एक अध्ययन के अनुसार इस आदत के लिए 80 फीसदी तक बच्चे की मां जिम्मेदार होती है। बच्चों की इस आदत की वजह से उनका शारीरिक और मानसिक विकास रुक जाता है। बच्चों को पुरानी बीमारी लग सकती है। उन्हें मोटापा, खाने-पीने की आदतों में कमी, शरीर में पोषक तत्वों की कमी जैसी कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

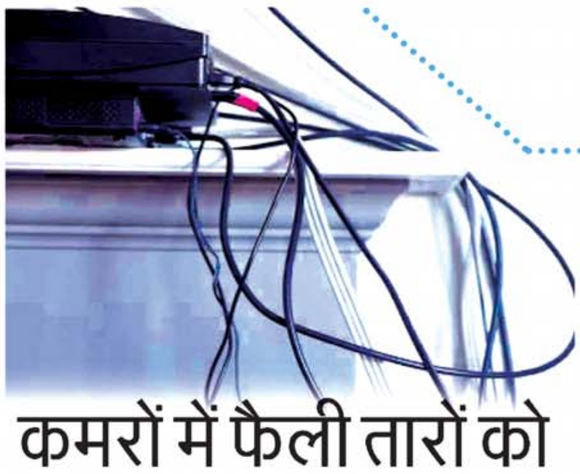

कमरों में फैली तारों को छिपाने के लिए अपनाएं यह आसान हैक्स

किसी भी घर में इलेक्ट्रिसिटी से लेकर पानी की व्यवस्था करने के लिए कई तरह की तारों का इस्तेमाल किया जाता है। इतना ही नहीं, घर में कई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का भी इस्तेमाल किया जाता है और उसके वायर भी कमरे में चारों तरफ नजर आते हैं। इनका इस्तेमाल करना घर में बेहद जरूरी होता है, लेकिन एक सच यह भी है कि यह तारें आपके कमरे की खूबसूरती में एक धब्बे की तरह है।

आप भले ही कमरे को कितना भी खूबसूरती से सजाएं, लेकिन दीवार के चारों ओर तार फैले हुए नजर आते हैं तो यह काफी अजीब लगते हैं और फिर आपके कमरे को वह परफेक्ट लुक नहीं मिल पाता, जो वास्तव में मिलना चाहिए। हालांकि आप अपने घर को वायर-फ्री तो नहीं कर सकतीं, लेकिन फिर भी अगर आप अपनी क्रिएटिविटी का इस्तेमाल करती हैं तो ऐसे में आप उन वायर्स को बेहद ही खूबसूरती से हाइड कर सकती हैं। तो चलिए आज हम आपको घर में इस्तेमाल होने वाले वायर्स को हाइड करने के कुछ आसान व इनोवेटिव तरीकों के बारे में बता रहे हैं-

किताबों की लें मदद

अगर आपके टीवी के नीचे टेबल पर वायर नजर आ रही हैं तो इसके लिए आप किताबों की मदद ले सकती हैं। इसके लिए आप टीवी के नीचे की टेबल पर किताबें एक साथ रखें और उसके पीछे वायर हों। टेबल पर रखी किताबें देखने में भी अच्छी लगेंगी और किसी को यह पता भी नहीं चलेगा कि उसके पीछे वायर हैं। बेडरूम की दीवारों को सजाएं रोमांटिक अंदाज में

बनाएं कवर

अगर आप अपने कमरे में मौजूद वायर को आसानी से छिपाना चाहती हैं, साथ ही अपने कमरे की खूबसूरती को बढ़ाना चाहती हैं तो इसके लिए आप वायर्स के लिए कवर बनाएं। मसलन, आप एक बुक को बीच में से खाली करें और उसके उपरी कवर को वायर का कवर बनाएं। इसी तरह आप गिफ्ट बॉक्स को भी बतौर वायर कवर इस्तेमाल कर सकती हैं। इस साल ये 7 इंटीरियर्स डिजाइन आपके घर को देंगे एक क्लासिक लुक

दें खूबसूरत लुक

सुनने में आपको शायद अजीब लगे लेकिन अगर आप अपनी क्रिएटिविटी का इस्तेमाल करती हैं तो कमरे में मौजूद वायर्स को ही रूम डेकोर का हिस्सा बना सकती हैं। इसके लिए आप पहले वायर्स को दीवार पर केबल वायर नेल्स की मदद से सिक्योर करें। इसके बाद आप हर केबल वायर नेल्स के साथ कोई भी खूबसूरत ड्राइंग बनाएं। आप दीवार पर पक्षी से लेकर खूबसूरत पत्तियां आदि बना सकती हैं।

स्मार्टली करें कवर

भले ही आपके कमरे में कितने भी वायर हों, आप उन्हें बेहद स्मार्ट तरीके से आसानी से कवर कर सकती हैं। मसलन, आप आईसक्रीम स्टिक या लकड़ी की मदद से टेबल के कोनों में एक कवर बना सकती हैं। यह देखने में भी अच्छा लगता है और इसके पीछे वायर्स को आसानी से रखा जा सकता है। इसी तरह अगर आप मल्टीप्लग का इस्तेमाल कर रही हैं तो उसके साइज के अनुसार उसके लिए एक कवर बनाएं। अब आप इसका इस्तेमाल कर सकती हैं।

कई घरेलू समस्याओं के लिए एक समाधान सिलिका जेल

अगर आपने ध्यान दिया होगा तो, आप जब भी नए बैग्स, जूते, पर्स या कपड़ा खरीदते हैं, तो उसमें आपको एक छोटा सा पैकेट जरूरत मिलता होगा। उस पैकेट को 'सिलिका जेल' कहा जाता है। अक्सर इस पैकेट को बेकार समझ के लगभग हर कोई फेंक देता है, लेकिन क्या आपने कभी इस बात पर गौर किया है कि आखिर इन सामानों में इस पैकेट को क्यूं रखा जाता है और इसका अन्य कामों में किस तरह इस्तेमाल किया जा सकता है। अगर आप भी सिलिका जेल के फायदों के बार में जान जाएंगे तो आज के बाद से उसे फेंकने से पहले कई बार सोचेंगे, क्यूंकि आज इस लेख में हम आपको सिलिका जेल के उपयोगों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे आप कई घरेलू समस्याओं को चुटकियों में दूर कर सकते हैं-

कपड़ों को रखता है सुरक्षित

ठण्ड के मौसम में अक्सर कपड़ों में नमी हो जाती है और कई बार कपड़ों से बदबू भी आने लगती है। ऐसे में सिलिका जेल बहुत ही उपयोगी हो जाता है। आपको बात दें कि सिलिका जेल कपड़ों में मौजूद मॉइश्चराइजर को दूर रखता है और आपके कपड़े में होने वाली नमी और बदबू से भी दूर रखता है। आप जहां भी कपड़े रखते हैं वहां इस पैकेट को रख दीजिए, इससे आपका कपड़ा हमेशा फ्रेश रहेगा।

मेकअप बैग में भी रखें

महिलाएं भी इसको मेकअप बैग में रख सकती हैं। कई बार मेकअप रखे-रखे बैग में चिपचिपाहट होने लगता है, और कई बार मकेअप प्रोडक्ट्स भी खराब हो जाते हैं। ऐसे में इस समस्या को दूर करने के लिए सिलिका जेल का इस्तेमाल कर सकती है। इसके उपयोग से मेकअप बैग के साथ-साथ आपका मेकअप सामान भी सुरक्षित रहेगा।

किताबों का रखता है ख्याल

अमूमन हम कई महीनों तक किताब को हाथ तक भी नहीं लगाते हैं और वो वहीं के वहीं रखे रहते हैं। कई महीनों तक रखे-रखे इन बुक्स में पीलापन नजर आने लगता है। इस पीलेपन को दूर करने के लिए आप सिलिका जेल को रख सकते हैं। बुक्स के साथ-साथ आप महत्वपूर्ण डाक्यूमेंट्स जैसे पासपोर्ट, बर्थ सर्टिफिकेट, गाड़ी या घर के पेपर आदि स्थानों पर भी इस जेल को रख सकते हैं।

संपादक की कलम से

देश की बेटियां आगे बढ़ना चाहती है वह पढ़ना चाहती है

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियां जानती है कि महिलाओं का सम्मान और नारी शक्ति का का सशक्त मूल्यांकन और प्रोत्साहन जितना अधिक गंभीरता से भारत में होता है उतना शायद कहीं नहीं होता।आज हम भारतीय हर क्षेत्र में नारी शक्ति का बोलबाला देख रहे हैं। शिक्षा क्षेत्र से लेकर अंतरिक्ष तक याने जमीन से आसमान तक विकास की और तेजी से कदम बढ़ाते हुए विकसित भारत लक्ष्य प्राप्त करने में नारी शक्ति का अभूतपूर्व योगदान प्राप्त हो रहा हैजिसका ताजा उदाहरण हमने गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2024 को देखा जिसमें पूरी कर्तव्य पथ परेड और अन्य कार्यक्रम महिला केंद्रित रहे चाहे वह परेड हो या फिर संस्कृतझांकियां अधिकतम महिला सशक्तिकरण केंद्रितथी जिसकीसटीकता पर मोहर आज दिनांक शक्ति 27 जनवरी 2024 को केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी अखिल भारतीय सर्वेक्षण रिपोर्ट 2020-21 में भी लगाई गई जिसमें कहा गया है कि पुरुषों की अपेक्षा महिलाएं शिक्षा क्षेत्र में अधिक आ रही है। इस तरह आज माननीय उपराष्ट्रपति पीएम,शिक्षा मंत्री ने भी नारी शक्ति पर हामी भरते हुए कहा महिला सशक्तिकरण का शैक्षणिक सुधारो के व्यापक प्रभाव को रेखांकित करता है।चूंकि 26 जनवरी और आज 27 जनवरी 2024 को शिक्षा मंत्रालय द्वारा अपनी रिपोर्ट में बेटियों की अधिक चाहत पढ़ाई में बताई है, इसलिए आज हम मीडिया पीआईबी में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इसआर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे गणतंत्र दिवस पर कर्तव्य पथ नारी केंद्रित हो या शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी अखिल भारतीय सर्वेक्षण रिपोर्ट हो, हर जगह साफ दिखने को मिला बेटियां आगे बढ़ना चाहती है। साथियों बात अगर हम दिनांक 27 जनवरी 2024 को जारी शिक्षा मंत्रालय की सर्वेक्षण रिपोर्ट की करें तो, लड़कियों ने किए सबसे ज्यादा नामांकनउच्च शिक्षा को लेकर छात्राओं में सबसे ज्यादा रुचि देखी गई है2014-15 में देश में उच्च शिक्षा में नामांकन कराने वाली छात्राओं की संख्या जहां 1.57 करोड़ थी, वह 2021-22 में 2.07 करोड़ हो गई। एससी/एसटी छात्र-छात्राओं के नामांकन में भी काफी बढ़ोतरी दर्ज हुई है। यूनिवर्सिटी के नए संस्थान सरकार की ओर से आयोजित उच्च शिक्षा परअखिल भारतीय सर्वेक्षण 2021 के अनुसार, 2014-15 से 341 विश्वविद्यालय/विश्वविद्यालय स्तर के संस्थान स्थापित किए गए हैं। वहीं छात्र/छात्राओं की बढ़ती संख्या के साथ महिला शिक्षकी संख्या 2014-15 में 5.69 लाख से बढ़कर 2021-22 में 6.94 लाख हो गई है। वर्ष 2021-22 के लिए हाल ही में जारी उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण (एआईएसएचई) के अनुसार पिछले आठ वर्षों में पुरुषों की तुलना में अधिक महिलाओं ने उच्च शिक्षा में नामांकन किया है। 2014-15 के बाद से उच्च शिक्षा में कुल नामांकन में वृद्धि (91 लाख) में महिलाओं की हिस्सेदारी 55 प्रतिशत है। नवीनतम सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार, कुल नामांकन 4.33 करोड़ में से 48 प्रतिशत या 2.07 करोड़ महिलाएं हैं।2019-20 में महिला नामांकन में 1.88 करोड़ से 2.01 करोड़ की मामूली वृद्धि देखी गई।2014-15 में कुल 3.42 करोड़ नामांकन में महिलाओं का प्रतिशत 46 प्रतिशत था। वहीं, उच्च शिक्षा में 2021-22 के सत्र में नामांकन बढ़कर लगभग 4.33 करोड़ हो गया जो इससे पिछले सत्र में 4.14 करोड़ था। विज्ञान संकाय में महिला अभ्यर्थियों के नामांकन की संख्या पुरुषों की संख्या से अधिक है। उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण (एआईएसएचई) में यह जानकारी सामने आई है। शिक्षा मंत्रालय की ओर से बृहस्पतिवार की रात जारी सर्वेक्षण के अनुसार कुल मिलाकर महिला नामांकन 2020-21 में 2.01 करोड़ से बढ़कर 2021-22 सत्र में 2.07 करोड़ हो गया है। एआईएसएचई की रिपोर्ट में कहा गया है, उच्च शिक्षा में कुल नामांकन2020-21 में 4.14 करोड़ से बढ़कर 2021-22 में लगभग 4.33 करोड़ हो गया है। वर्ष 2014-15 में नामांकन के आंकड़े 3.42 करोड़ में लगभग 91 लाख की वृद्धि हुई है। इसमें कहा गया है, महिला नामांकन 2020-21 में 2.01 करोड़ से बढ़कर 2021-22 में 2.07 करोड़ हो गया है। वर्ष 2014-15 में महिला नामांकन में 1.57 करोड़ के मुकाबले लगभग (32 प्रतिशत) 50 लाख की वृद्धि हुई रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि पीएचडी में महिला नामांकन 2014-15 सत्र के 0.48 लाख से दोगुना होकर 2021-22 में 0.99 लाख हो गया है। रिपोर्ट के अनुसार 2014-15 से 2021-22 की अवधि के लिए महिला पीएचडी नामांकन में वार्षिक वृद्धि 10.4 प्रतिशत है। इसमें कहा गया है कि 2021-22 में स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएच.डी. और एम.फिल स्तर पर 57.2 लाख छात्र विज्ञान संकाय में नामांकित हैं जिसमें छात्राओं की संख्या 29.8 लाख के मुकाबले छात्रों की संख्या (27.4 लाख) से अधिक है।रिपोर्ट के अनुसार एसटी छात्रों का नामांकन 2014-15 में 16.41 लाख से बढ़कर 2021-22 में 27.1 लाख हो गया जिसमें 65.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई। शिक्षा मंत्रालय 2011 से उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण आयोजित कर रहा है, जिसमें देश में उच्च शिक्षा प्रदान करने वाले सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को शामिल किया गया है। सर्वेक्षण के तहत विभिन्न मापदंडों जैसे छात्र नामांकन, शिक्षकों का आंकड़ा, ढांचागत एवं वित्तीय सूचनाओं आदि पर विस्तृत जानकारी एकत्र की जाती है।

साथियों बात अगर हम देश की बेटियां आगे बढ़ना चाहती है वे पढ़ना चाहती है की करें तो, देश की बेटियां आगे बढ़ना चाहती हैं, वे पढ़ना चाहती हैं।

उनकी यह ललक गणतंत्र दिवस के मौके पर कर्तव्य पथ की परेड हो या फिर शिक्षा मंत्रालय की और से उच्च शिक्षा को लेकर जारी अखिल भारतीय सर्वेक्षण 2021-22 की रिपोर्ट, हर जगह साफ दिखने को मिली।

डेटिंग का चक्कर

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त, प्रसिद्ध नवयुवा व्यंग्यकार

वे लोग वर-वधू के गुण-नक्षत्र पर जोर देने के बजाए किसी ओर चीज को लेकर परेशान थे। पंडित जी ने लड़की की माँ से कहा झ ह्वदेखिए बहिन जी! गुण-नक्षत्रों का क्या है, वो तो ले देकर भी सेटल किये जा सकते हैं। वह तो मेरे बाएँ हाथ का खेल है। लेकिन आजकल के लड़के-लड़कियों के लिए पंचांग वाले छत्तीस गुणों की चिंता कम दूसरे किस्म के गुणों की चिंता अधिक रहती है। कहने को तो पढ़े-लिखे होते हैं लेकिन व्यवहार गंवारों वाले करते हैं।

लड़की की माँ ने बड़े भोलेपन से पूछा झ ह्वहे ज्योतिषाचार्य जी! मैं कुछ समझी नहीं। आप किन गुणों की बात कर रहे हैं? क्या ये गुण इतने जरूरी हैं कि इनके बिना शादी नहीं हो सकती

ज्योतिषी जी ने आँखें बड़ी करते हुए कहा झ ह्वहाँ बहिन जी! मैं जिन गुणों की बात कर रहा हूँ। उनके बारे में सुनेंगी तो आप का माथा भी ठनक जाएगा। एक समय था जब लड़का-लड़की रूप, रंग, गुण, स्वभाव आदि को देखकर चट मंगनी पट ब्याह कर लेते थे। अब वैसे दिन कहाँ रहे। अब तो हजार किस्म के चोंचले हैं। मसलन लड़का-लड़की बिल्ली-कुत्ता पसंद करते हैं कि नहीं। करते हैं तो किस रंग, आकार और ऊँचाई का। आल्कोहलिक हैं या नॉन-आल्कोहलिक। आल्कोहलिक हैं तो कौनसी ब्रैंड, फिर वह ब्रैंड नियमित पीते हैं या फिर कभी-कभार आदि-आदि। कौन सा रंग, फल-फूल, सब्जी, गाना, अभिनेता, फिल्म, साइट सीन पसंद है या नहीं आदि-आदि।

लड़की की माँ आश्चर्य से झ ह्वबाप रे बाप! लड़का-लड़की एक-दूसरे को पसंद करने के लिए इतने चोंचले करते हैं। फिर ऐसे लोगों की शादी करने के लिए क्या करना चाहिए महाराज?ह्व

ज्योतिषी जी हँसते हुए झ ह्वबहिन जी इसके लिए हमें कुछ करने की आवश्यकता नहीं है। जो कुछ करना होता है वो तो लड़का-लड़की को करना होता है। इसीलिए आजकल वे डेटिंग पर जाते हैं। डेटिंग पर जाने से लड़का-लड़की एक-दूसरे को शारीरिक, मानिसक, बौद्धिक रूप से अच्छी तरह समझ जाते हैं। एक तरह से कहिए कि कोई बर्तन खरीदने से पहले ठोक-बजाकर देख लेते हैं। इससे यह साफ हो जाता है कि वे आगे एक-दूसरे के साथ टिक पायेंगे कि नहीं। सब कुछ ठीक रहा तो वे ब्याह करने के लिए राजी हो जायेंगे। नहीं तो तू अपनी गली मैं अपनी गली।

प्राण प्रतिष्ठा में मुसलमानों की उपस्थिति के संदेश

अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के समय प्रख्यात मुस्लिम धर्मगुरु मौलाना उमेर इलियासी समेत बहुत सारे मुसलमान धर्म गुरुओं की और फि ल्म कलाकारों, गायकों , कलाकारों और शहाबुद्दीन हुसैन जैसे राज नेताओं की उपस्थिति सुकून देने वाली थी। इनका भगवान श्री रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा को निर्विघ्न पूर्ण करवाने में पूरा नैतिक समर्थन रहा। इन्होंने अपनी उपस्थिति से यह भी संदेश दिया कि देश के बहुसंख्यक और पढ़े - लिखे समझदार मुसलमान अयोध्या में रामलला के मंदिर के निर्माण का समर्थन करते हैं।

प्राण - प्रतिष्ठा के बाद अखिल भारतीय इमाम संगठन के मुख्य इमाम मौलाना इमाम उमेर अहमद इलियासी ने कहा कि वास्तव में यह ही नए भारत का चेहरा है। हमारा सबसे बड़ा धर्म मानवता है। हमारे लिए राष्ट्र पहले है।यह बदलते भारत की तस्वीर है। आज का भारत नवीन भारत, आज का भारत उत्तम भारत, मैं यहां पैगाम-ए-मोहब्बत लेकर आया हूं। हमारी इबादत करने के तरीके अलग जरूर हो सकते हैं, पूजा पद्धति जरूर अलग हो सकती है, हमारी आस्थाएं जरूर अलग हो सकती है, लेकिन हमारा जो सबसे बड़ा धर्म है वह इंसान और इंसानियत का है।

अब यह जानना जरूरी है कि मौलाना उमेर इलियासी कौन हैं? कुछ समय पहले राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) के अध्यक्ष मोहन भागवत की मौलाना उमेर अहमद इलियासी से मुलाकात के बाद उनके बारे में जानने वालों की तादाद चक्रवृद्धि ब्याज की तरह से बढ़ी है। वे राजधानी में इंडिया गेट से लगभग सटी गोल मस्जिद के इमाम हैं। वे इस्लाम के विद्वान तो हैं ही। बड़ी बात ये है कि उन्होंने अन्य धर्मों का भी हिंदू धर्म का भी गहन अध्ययन किया हुआ है। उनके जीवन का अटूट हिस्सा है सर्वधर्म समभाव। वे सब धर्मों का सम्मान करने में यकीन करते हैं।

मौलाना उमेर इलियासी की शख्सियत पर महात्मा गांधी का असर साफ दिखाई देता है। वे कहते हैं कि गांधी जी उनके गुरुग्राम के गांव घसेरा के पुश्तैनी घर में 19 अगस्त, 1947 को आए थे। वहां पर उनका मौलाना उमेर के दादा चौधरी मुनीरउद्धीन साहब और सैकड़ों लोगों ने गर्मजोशी से स्वागत किया था। गांधी जी ने गांवों वालों को हिदायत दी थी कि वे पाकिस्तान नहीं जाएंगे। गांव वालों ने उनकी बात मानी थी। मौलाना उमेर इलियासी राजघाट में होने वाले सर्वधर्म सम्मेलनों में लगातार पहुंचते हैं। बहुत ही प्रखर वक्ता हैं। वे जब कुरआन के साथ गीता और बाइबल से भी उदाहरण देकर अपनी बात रखते हैं तो श्रोतागण मंत्रमुग्ध हो जाते हैं।

गोल मस्जिद में एक जमाने में श्रीमती इंदिरा गांधी जी भी आया करती थीं।तब इस मस्जिद के इमाम मौलाना जमील इलियासी थे। वे मौलाना उमेर अहमद इलियासी के पिता थे। वे भी राष्ट्रवादी मुसलमान थे। उन्हें इंडिया गेट का फकीर भी कहा जाता था। शायद इसलिए क्योंकि गोल मस्जिद इंडिया गेट से चंद कदमों की दूरी पर है। उन्होंने गोल मस्जिद में हरेक फकीर या भूखे इंसान के लिए भोजन की व्यवस्था की रिवायत शुरू की थी। उसे मौलाना उमेर इल्यासी ने अपने वालिद के 2010 में इंतकाल के बाद आगे बढ़ाया। मौलाना उमेर इलियासी साफ कहते हैं कि उनके पु?खे हिन्दू ही तो थे। वे तो यहां तक कहते हैं कि वे भगवान कृष्ण के वंशज हैं। उनका परिवार करीब दो झढाई सौ साल पहले इस्लाम स्वीकार कर चुका है। वे मानते हैं कि इस्लाम का रास्ता सच्चाई, अमन और भाई चारे की तरफ लेकर जाता है। इस्लाम में किसी के लिए कोई नफरत का भाव नहीं है। इस्लाम समता के हक में खड़ा होता है। मौलाना उमेर इलियासी की स्कूली शिक्षा राजधानी के पंडारा रोड के सरकारी स्कूल में हुई। पर उम्र बढ़ी तो उनका रास्ता बदल गया। पिता मौलाना जमील इलियासी ने उन्हें अपने साथ जोड़ लिया। उन्हें अपने उत्तराधिकारी के रूप में प्रशिक्षित किया।

वे मानते हैं किभारत में शांति के लिए वे कुछ भी कर सकते हैं। उनकी इसी सोच का नतीजा है कि गोल मस्जिद में ईद और दिवाली पर आलोक सज्जा होती है। दीपोत्सव अंधकार से प्रकाश की तरफ लेकर जाने वाला अनोखा त्योहार है। ये भारत की धरती का पर्व है। गोल मस्जिद में सब मिलकर दिये जलाते हैं और बनाते हैं रंगोली। अंधकार व्यापक है, रोशनी की अपेक्षा। क्योंकि, अंधेरा अधिक काल। दिन के पीछे भी अंधेरा है रात का। दिन के आगे भी अंधेरा है रात का। भारत के लाखों मुसलमान भी दिवाली को मनाते हैं। वे दिवाली पर अपने घरों- दफ्तरों की सफाई करने के अलावा चिराग जलाते हैं। सच में प्रकाश और रोशनी का पर्व अंधकार से रोशनी में ले जाता है। देश ने 22 जनवरी को एक बार फिर से दिवाली वाला उत्साह देखा। उस दिन सारे देश में आलोक सज्जा हो रही थी। अगर कुछ कठमुल्लों को छोड़ दिया जाए तो जिस दिन अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा हो रही थी हस दिन सारा भारत आनंद की स्थिति में भजन-कीर्तन हो रहे थे। उसमें गैर- हिन्दुओं की भी भागेदारी रही थी। राजधानी के कनॉट प्लेस के हनुमान मंदिर से लेकर दिल्ली से सटे कौशांबी के कंचनजंगा कैंपस और मुंबई के जुहू से लेकर कानपुर और सारे देश में विगत 22 जनवरी को हुए भजन-कीर्तन कार्यक्रमों में लाखों-करोड़ों राम भक्तों में कई मुसलमान और ईसाई भी भाग ले रहे थे।

पंडित जेपी शर्मा ह्यत्रिखाह्न बता रहे थे कि वे मुंबई, दिल्ली और एनसीआर में सुंदर कांड आयोजित करते रहे हैं। पर इस बार उनके सुंदर कांड के आयोजन में कुछ मुसलमान और ईसाई मित्र खुद ही शामिल हुए और प्रसाद लेकर अपने घरों को लौटे। यह वास्तव में एक नये भारत का चेहरा था। भारत सबका है और इधर सबको जीवन के सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ने के भरपूर अवसर मिलते हैं। अमेरिका के सबसे लोकप्रिय राष्ट्रपतियों में से जॉन कैनेडी ने एक बार सही कहा था कि ह्ययह मत पूछो कि देश ने तुम्हें क्या दिया बल्कि ये पूछो कि तुमने देश को क्या दियाह्न। शीत युद्ध में अमेरिका की भूमिका के संबंध में दिए गए 14 मिनट के भाषण में कैनेडी ने अमेरिकियों का आह्वान किया था, ह्यह्ययह मत पूछो कि तुम्हारा देश तुम्हारे लिए क्या कर सकता है , यह पूछो कि तुम देश के लिए क्या कर सकते हो ह्नह्न उनके इस वक्तव्य को सुनकर कोई भी समझ सकता है कि वे कितनी बड़ी शख्सियत के धनी थे। कैनेडी की अपने देशवासियों को कही बात हरेक भारतीय पर भी लागू होती है। भारत में राम राज्य तो तभी आएगा जब सब राष्ट्र निर्माण में लग जाएंगा।

आर.के. सिन्हा
(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

लाला जी का राष्ट्रबोध

भारतीय इतिहास के कालखण्डों में 28 जनवरी की तारीख की ऐतिहासिक महत्ता बहुत ही प्रासंगिक है। आज की तारीख भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दो महानायकों की स्मृतियों में याद की जाती है। आज के दिन हम भारतवासी इस तारीख को भारत के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के शहीद दिवस के रूप में मनाते हैं तो वहीं इसे पंजाब केसरी के नाम से विख्यात लाला लाजपत राय के जन्म दिवस के रूप में याद करते हैं। भारतीय स्वतंत्रता, स्वराज्य, स्वदेशी, स्वशिक्षा के समर्थक लाला लाजपत राय का व्यक्तित्व भारतीय राष्ट्रवाद का आदर्श था। लाला लाजपत राय ने अपने विचारों से भारत भूमि में ही नहीं वरन विदेश की धरती पर भारतीय स्वतंत्रता की अलख जगाने का कार्य किया। लाला जी ने अपने विचारों और आदर्शों के माध्यम से हमेशा भारत माँ की एकता और स्वतंत्रता के लिए कार्य किया। भारत की स्वतंत्रता की लड़ाई में उन्होंने अपनी प्रारम्भिक अवस्था से ही कार्य करना प्रारम्भ कर दिया था। राष्ट्र, भारत की आजादी एवं उसकी एकता और अखंडता को बनाये रखने के लिए लाला जी के कार्यों एवं आदर्शों को याद करेगा। भारतीय राष्ट्रवाद के सच्चे निमार्ता लाला जी का जन्म 28 जनवरी 1865 को पंजाब के अग्रवाल जैन परिवार में हुआ था। लाला जी के राष्ट्रबोध का अध्ययन हमें उनके विचारों में निहित राष्ट्र के पोषक मूल्यों के अध्ययन से होता है। लाला जी ने भारतीय राष्ट्र की अक्षुणता और स्वतंत्रता के लिए अनेक वैचारिक कार्यों का निष्पादन किया जो आज भी भारतीय एकता के लिए पोषक साबित हो सकते हैं। लाला जी के राष्ट्रबोध में भारतीय स्वतंत्रता की लड़ाई में जाति प्रथा के विरोधी होने के साथ-साथ धार्मिक सहिषुणता निहित थी, उन्होंने अंग्रेजों की फूट डालो राज्य करो की नीति की गंभीरता को समझा और भारतीय एकता के लिए कार्य किया। लाला जी हिन्दू महासभा के सक्रिय सदस्य थे परन्तु धर्म के नाम पर विभाजन या वैमनस्य से उनका सरोकार नही था।

1909 में हिन्दू महासभा के मंच से उन्होंने स्पष्ट शब्दों में घोषणा की कि हमैं अपने देश के दूसरे धर्म भाइयों के प्रति बुरे विचार नहीं रखता हूँ, मैं उनके सुख एवं समृद्धि की कामना रखता हूँ।ह्व सच्चे धर्म का अनुसरण ही लाला जी के विचारों की आधारशिला थी। लाला जी ने अनेक अवसरों पर हिन्दू-मुस्लिम एकता और उनके समृद्धि की कामना की। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के हिमायती लाला जी ने समय समय पर हिन्दू मुस्लिम एकता के विचारों को व्यक्त किया। लाला जी ने कहा है कि ह्वहमारे देश के प्रति निस्वार्थ भक्ति ही हमारा धर्म होना चाहिए। हमारे जीवन का उद्दांत उद्देश्य होना चाहिए, हममें से प्रत्येक के जीवन का लक्ष्य राष्ट्र सेवा होनी चाहिए और देश सेवा की खातिर न धन की परवाह करनी चाहिए न जीवन की।ह्व राष्ट्र के प्रति लाला जी के इन्हीं वैचारिक मूल्यों ने उन्हें करोड़ों देशवासियों के हृदय में पूज्य बना दिया। लाला जी ने भारत भूमि की स्वतंत्रता के लिए सतत संघर्ष किया। भारत की स्वयत्ता के लिए धन एवं जीवन के मूल्य को कम समझा और वक्त आने पर उन्होंने अपने जीवन को भारतीय राष्ट्र की स्वाधीनता के लिए उत्सर्ग कर दिया। लाला जी के राष्ट्रबोध का सिद्धांत उनका राष्ट्र के प्राचीन एवं गौरवशाली अतीत की प्रेरणा से प्रेरित है। लाला जी के राष्ट्रबोध में भारत भूमि के अतीत के गौरवशाली सिद्धान्तों का स्मरण रहता था। पी. एन. कृपाल ने लाला जी के राष्ट्रबोध के सिद्धांत को सही कहा था "लाला जी का आदर्श भारतीय राष्ट्रवाद था, इसी आदर्श के लिए उन्होंने काम किया, कष्ट झेले और अंततः अपने जीवन का बलिदान का दिया। वे राष्ट्र के काम में एक कार्यकर्त्ता ही नही थे वरन उन्होंने राष्ट्रवादी भावना पर ही अपनी छाप छोड़ दी और उसे नया अर्थ दिया।" लाला जी का जीवन आदर्श ही राष्ट्रबोध था, लाला जी ने भारतीय राष्ट्रवाद के लिए कार्य किया, उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में भारतीय संस्कृति के विचारों को हमेशा स्थान दिया। लाला जी ने भारतीय शिक्षा व्यवस्था पर "भारत में राष्ट्रीय शिक्षा की समस्या" नामक एक वृहद पुस्तक की रचना की। लाला जी शिक्षा व्यवस्था पर विचार व्यक्त करने से पहले जापान और ब्रिटेन की शिक्षा व्यवस्था का अध्ययन किया था। लाला जी का कहना था कि "हमारी सन्तानों को उस समाज के मध्य भली प्रकार शिक्षित किया जाना चाहिए जिसका कि भविष्य में उनको क्रियाशील सदस्य बनना है।"

लाला जी के राष्ट्रबोध में स्वदेशी को स्थान प्राप्त था, लाला जी राष्ट्रवाद में स्वदेशी की विचारधारा के हिमायती थे। लाला जी ने स्वदेशी आंदोलन और उसके महत्व को परिभाषित करते हुए कहा कि मैं स्वदेशी को अपने देश के लिए उद्धारक समझता हूँ, स्वदेशी आंदोलन को हमें आत्मभिमानी, आत्मविश्वासी, स्वावलंबी और त्यागी बनाना चाहिए। स्वदेशी ही हमें जाति, धर्म के बंधनों से मुक्ति दिला सकती है। मेरी दृष्टि में स्वदेशी संयुक्त भारत का धर्म होनी चाहिए। लाला लाजपत राय ने राष्ट्रवाद के विकास के लिए स्वदेशी को महत्वपूर्ण विचार समझा जो जाति धर्म के बंधनों से मुक्त थी, जो आत्मनिर्भर भारत, स्वावलंबी भारत और अर्थ सम्पन्न भारत का मूल थी। राष्ट्र की एकता, सम्पन्नता और आत्मनिर्भरता के लिए लाला जी ने स्वदेशी को अपने राष्ट्र का मूल माना था। लाला जी ने स्वदेशी को मजबूत करने के लिए पंजाब में इंडियन बैंक तथा पंजाब नेशनल बैंक की स्थापना में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

लाला जी ने भारत की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया, उन्होंने भारत के साथ-साथ विदेशों में भारतीय विचारधारा का बोध कराने के लिए अनेक संगठनों की स्थापना की जिससे भारतीय विचारधारा को विश्व पटल पर स्थापित किया जा सके। अमेरिका में इंडियन होम रूल लीग तथा इंडियन इन्फॉर्मेशन ब्यूरो नमक संस्था की स्थापना की, साथ-साथ उन्होंने अमेरिका में ही इंडियन लेबर एसोसिएशन की स्थापना की। अमेरिका में प्रवास के दौरान ह्ययंग इंडियाह्न, ह्यइंग्लैंडस डैट टू इंडियाह्न नामक पुस्तक लिखी। अंततः भारतीय राष्ट्र की सेवा करते हुए 17 नवम्बर 1928 को महान आत्मा ने अपने पार्थिव शरीर को त्याग दिया। लाला जी की मृत्यु से शोक संतप्त महात्मा गांधी जी ने ठीक ही कहा था कि ह्वलाला लाजपत राय मर चुके हैं, लाला जी अमर रहें, लाला जी जैसे व्यक्तित्व तब तक नहीं मर सकते जब तक कि भारतीय आकाश में सूर्य चमक रहा है, लाला जी का अर्थ एक संस्था है। अपने यौवन काल से ही उन्होंने देश सेवा को अपना धर्म बना लिया, उनकी देश भक्ति में किसी भी प्रकार की संकीर्णता नहीं थी, उन्होंने ने अपने देश से प्यार किया क्योंकि उनका सम्पूर्ण विश्व से प्यार था, उनका राष्ट्रवाद वस्तुतः अन्तर्राष्ट्रीयतावाद था।ह्व माँ भारती के ऐसे सच्चे सेवक को शत शत नमन। राष्ट्र आपकी सेवा के लिए सदा ऋणी रहेगा।

डॉ रामेश्वर मिश्र

सर्वांगीण शिक्षा ,ज्ञान और संघर्ष जीवन में ऊंचाइयां देते हैं

मनुष्य के जीवन में प्रेम तथा ज्ञान दोनों ही अत्यंत आवश्यक एवं उत्प्रेरक अंग है। प्रेम भावनात्मक तत्व है, जो मनुष्य को इंसान बनाता है, संवेदना और मानवता को जागृत करता है। ज्ञान की उत्कंठा या तार्किक क्षमता मनुष्य को निरंतर प्रगति की ओर ले जाती है। मनुष्य के जीवन में ज्ञान ही उसे मानवता के उत्कृष्ट शिखर पर ले जाता है, वह मनुष्य को पशुत्व से अलग रखता है। मनुष्य ज्ञान की अनुभूति के कारण ही मुस्कुराता हंसता है, जबकि जानवर इसके अभाव में मूक बना रहता है, हंसता,मुस्कुराता नहीं है, इसलिए मुस्कुराइए, हंसीये, प्रेम करिए और ज्ञान प्राप्ति की ओर उन्मुख होते रहिए, तब ही जीवन सार्थक हो सकता है। प्रेम के बिना ज्ञान और अध्ययन मनुष्य को मशीन बना देता है। प्रेम और ज्ञान की अलग-अलग मीमांसा की गई है। प्रेम, ज्ञान की अपेक्षा अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है क्योंकि प्रकृति में अधिक घुल मिलकर आधारभूत तत्व तो बनाता है ही,बल्कि प्रेम प्रत्येक जीव में विद्यमान होता है। परस्पर एक दूसरे की भाषा नासमझ पाने वाले जीव भी एक दूसरे से प्रेम की भाषा द्वारा मधुर संवाद कर सकते हैं। प्रेम सभी प्रकार के माननीय बंधनों से परे है।

जबकि ज्ञान प्राप्ति को मानवता में परम स्थान दिया गया है। प्राचीन भारतीय दर्शन एवं संस्कृति ने ज्ञान की महत्ता को महिमामंडित किया है और ज्ञान की प्राप्ति को सभी प्रकार के बंधनों से मुक्ति के लिए एक आधारभूत कारण भी बताया है। किसी मशीन अथवा कंप्यूटर को किसी भी प्रेरणा की आवश्यकता नहीं होती वह मनुष्य द्वारा दिए गए निदेशों का केवल पालन करता है। मनुष्य को प्रेरणा की आवश्यकता होती है ताकि वह ज्ञान प्राप्ति का साधन बन सके और यह प्रेरणा प्रेम द्वारा ही मिलती है।

शीतलहर

मौसम का बदला सा मिजाज,
नहीं समझ रहा मनुष्य प्रकृति का राज,
पहले कोरोना ने किया था बुरा हाल,
शीत लहर से मानव हुआ बदहाल,
पहले टपका गरीब की झोपड़ी से पानी,
फिर तपती गर्मी ने पहुंचाई हानि,
प्राणी मात्र पर ढा रही ठंड कहर,
मानव को प्रभावित कर रही शीतलहर।
निर्धनों के तन पर नहीं कपड़े गर्म,
नहीं रुख अपनाया मौसम ने नरम,
ठंड से दुबक कर बैठे बच्चे,
कैसे करें ठंड को सहन तन के कच्चे,
ठंड ने छीना कइयों का रोजगार,
बंद हो गया अब मिलना उधार,
गरीबी के इस दौर में मन जाता दहल,
मानव को प्रभावित कर रही शीतलहर।

कोई जलाकर आग कर रहा सामना,
सूर्य देव के आने की करे कोई कामना,
कई दिन बीत गए दर्शन हुए दुर्लभ,
कब होंगे गर्माहट के दिन अब सुलभ,
बच्चों की पढ़ाई का भी हो रहा नुकसान,
घर से नहीं निकलता गलियां सुनसान,
हर कोई ईश्वर से मांग रहा मेहर,
मानव को प्रभावित कर रही शीतलहर।

पक्षियों की चहचहाहट हुई अब कम,
लगता अब जिंदगी गई थम,
होगा नुकसान अगर नहीं हुआ सजग,
नहीं संभला तो होगा अलग-थलग,
प्रकृति के सम्मान में हो जागरूक,
समय है अभी मौका न जाए चूक,
संभलेंगे तो नहीं पीना पड़ेगा जहर,
मानव को प्रभावित कर रही शीतलहर।

- डॉ विनोद कुमार शर्मा, चंडीगढ़।

पूर्व मुख्य सचिव द्वारा क्षेत्र का भ्रमण

योगेश शर्मा राजोरिया

हृदय परियोजना अंतर्गत संचालित विभिन्न गतिविधियों का अवलोकन पूर्व मुख्य सचिव मध्य प्रदेश शासन आर परशुराम द्वारा किया गया सेंटर फॉर एडवांस रिसर्च एंड डेवलपमेंट कार्ड संस्था द्वारा एल आई सी एचएफएल के सहयोग से विकासखंड चाचौड़ा के 7 ग्रामों में हृदय परियोजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है परियोजना अंतर्गत चयनित ग्रामों में विगत दिवस मध्य प्रदेश शासन के पूर्व मुख्य सचिव आर परशुराम एवं संस्था के अध्यक्ष श्री विवेक शर्मा एवं डायरेक्टर मधुरा रावत के द्वारा ग्राम मेरियाखेड़ी कुरालिया नैशकला मुहासाकला का भ्रमण किया गया तथा बीडीसी सदस्यों से चर्चा कर परियोजना अंतर्गत गत वर्ष एवं इस वर्ष कराए गए विभिन्न कार्यों की जानकारी ली !हेमंत श्रीवास्तव परियोजना प्रबंधक द्वारा विभिन्न कार्यों के बारे में विस्तार से बताया गया विभिन्न गतिविधियां जो की संस्था के द्वारा करवाई गई है एवं वर्तमान में की जा रही है जैसे स्कूल रिनोवेशन खेतों मेड बंधान खेत समतलीकरण एलबीएस स्टॉप डैम तालाब गहरीकरण एग्री टूल बैंक एवं विभिन्न प्रदर्शन प्लॉट भी किसानों को दिए गए हैं जिसे लहसुन गेहूं धनिया पपीता सरसों आदि के एवं आए मूलक गतिविधियां स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को जैसे बकरी पालन भैंस पालन आदि का अवलोकन कराया गया पूर्व मुख्य सचिव श्री परशुराम जी द्वारा परियोजना अंतर्गत कराए गए कार्यों पर प्रसन्नता जाहिर की

केंद्रीय मंत्री सिंधिया के 6 फरवरी के कार्यक्रम को लेकर बैठक

राकेश परिहार पिछोर
9691338626

पिछोर केंद्रीयमंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया के खानियाधाना 6 फरवरी के कार्यक्रम को लेकर पिछोर विधायक प्रीतम सिंह लोधी द्वारा एक प्रशासनिक अधिकारियों के साथ गायत्री मंदिर रेस्ट हाउस पर बैठक ली गई। जिसमें कार्यक्रम की सम्बन्धित सभी व्यवस्थायों को लेकर चर्चा की गई । मौके पर कार्यक्रम स्थल का भी जायजा लिया गया।इस मौके पर पिछोर अनुविभागीय दंडाधिकारी राजस्व राजीव समाधिया, सीईओ मोगराज मीना, सहित कई अधिकारी तथा भाजपा मण्डल अध्यक्ष सत्यप्रकाश भरदेलिया, प्रहलाद सिंह यादव पूर्व जनपद अध्यक्ष, अशोक यादव सरपंच,भानू जैन, सहित कई नेतागण उपस्थित थे।

कब्रिस्तान रोड पर संदिग्ध हालत में बेहोश पड़ा मिला युवक, दोस्त ने कराया जिला अस्पताल मे

शिवपुरी। जिले के देहात थाना क्षेत्र अंतर्गत आने कब्रिस्तान रोड हवाई पट्टी इलाके में एक युवक घायल अवस्था में बेहोश पड़ा हुआ मिला है जिसे उसके दोस्त ने 108 एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल शिवपुरी में उपचार के लिए भर्ती कराया। युवक की पहचान लाला पुत्र नारायण रजक उम्र लगभग 35 वर्ष निवासी फक्कड़ कॉलोनी, छतरी रोड के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि अज्ञात लोगों द्वारा मारपीट किए जाने के कारण युवक की ऐसी

हालत हो गई है।जानकारी के अनुसार बता दें कि घायल युवक के दोस्त पवन सिंह जर्मन ने बताया कि लाल रजक और वह साथ में मजदूरी का काम करते हैं। आज मैं मजदूरी कर जैसे ही अपने घर लुधावली से पुरानी शिवपुरी दूसरे काम के लिए जा रहा था तभी रास्ते में बने पावर हाउस के पास डिवाइड पर लाल रजक मुझे घायल अवस्था में दिखाई दिया जैसे मैं 108 एंबुलेंस की सहायता से जिला अस्पताल लेकर आया जहां उसका उपचार जारी है।

पिछोर विधायक प्रीतम सिंह लोधी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खनियाधाना का निरिक्षण कर स्वास्थ्य सुविधाओं का लिया जायजा

रोगी कल्याण समिति की बैठक में अहम कई निर्णय लिए

राकेश परिहार पिछोर
9691338626

पिछोर , विधायक प्रीतम सिंह लोधी ने 01फरवरी गुरुवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खनियाधाना का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया।साथ ही मरीजों का हाल जाना एवं मिलने बाली सुविधाओं के बारे में पूछा गया।इसके पश्चात सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के ऑफिस में विधायक जी की अध्यक्षता एवं पिछोर एसडीएम की उपस्थिति में रोगी कल्याण समिति की बैठक की गई। इस दौरान बीएमओ द्वारा बताया की स्वास्थ्य केन्द्र खनियाधाना में 45 तरह की जांचे की जाती है, जिस पर विधायक द्वारा बताया की ये जो जांचे की जा रही है इनका प्रचार प्रसार किया जाय जिससे आमजन को इसका लाभ मिले और गरीब व्यक्ति को बाहर न भागना पड़े।इसके साथ ही अस्पताल में मीटिंग हॉल बनाने,तथा स्वास्थ्य केन्द्र में पानी की कमी होने के कारण एक बोरवेल लगाने हेतु पीएचई विभाग को निर्देशित किया, एवं स्वास्थ्य केन्द्र में ईसीजी नवीन मशीन खरीदने हेतू निर्देश

दिए साथ ही विधायक द्वारा कहा गया कि यदि कोई सामग्री ऋय करें तो बह लोकल से ही ऋय की जाए ताकि लोकल का ही रोजगार बढ़ेगा।108 नंबर की गाड़ी के लिए प्रस्ताव एवं उपलब्ध कराने के लिए कहा गया।इस मौके पर पिछोर अनुविभागीय दंडाधिकारी राजस्व राजीव समाधिया सहित जनपद सीईओ, परियोजना अधिकारी, लोकस्वास्थ्य यांत्रिकी,लोकनिर्माण विभाग, नगर परिषद सीएमओ, आरएसके प्रभारी सहित मण्डल अध्यक्ष सत्यप्रकाश भरदेलिया,पूर्व मण्डल अध्यक्ष भानू जैन उपस्थित थे।

अंतरिम बजट से केंद्र एवं राज्य के कर्मचारी हुए निराश न्यू पेंशन स्कीम में बदलाव की थी उम्मीद --जनक सिंह रावत

केंद्र सरकार द्वारा एन.पी.एस.पर कमेटी की रिपोर्ट का नहीं किया जिक्र

अनिल कुशवाह
पुष्पंजलि टुडे

शिवपुरी- आज वित्त मंत्री द्वारा अंतरिम बजट पेश किया गया जिसमें देश के एवं राज्यों के 80 लाख कर्मचारियों को उम्मीद थी की केंद्र सरकार द्वारा न्यू पेंशन स्कीम में बदलाव के लिए कमेटी गठित की गई थी उस कमेटी की रिपोर्ट को इसमें शामिल करेंगे और न्यू पेंशन स्कीम में बहुत बड़ा सुधार करेंगे जिससे कर्मचारी अपना जीवन यापन सम्मान पूर्वक जी सके अखिल भारतीय पेंशन बहाली संघ के संयोजक जनक सिंह रावत द्वारा बताया गया कि अंतरिम बजट से केंद्रीय एवं राज्य के कर्मचारियों को बहुत उम्मीद थी की न्यू पेंशन स्कीम में सरकार सुधार करेगी जिसमें पुरानी पेंशन जैसी सभी सुविधा कर्मचारियों को मिलेगी जिसमें

न्यूनतम पेंशन की गारंटी एवं कर्मचारी के सेवानिवृत्ति पर आखिरी वेतन का 50त्न पेंशन,साथ में महंगाई भत्ता सहित पुरानी पेंशन जैसी सुविधाओं को शामिल किया जाना लग रहा था और कर्मचारियों के लिए टैक्स स्लैब में भी कोई बदलाव नहीं किया गया है आज वित्त मंत्री महोदय द्वारा पेश किए गए अंतरिम बजट में कर्मचारियों के हित में कोई सकारात्मक फैसला नहीं लिया गया जिस एनपीएस में बदलाव की कर्मचारियों को उम्मीद थी उसकी बात बजट मै नहीं की गई इससे देश के कर्मचारी अपने आप को ठगा सा महसूस कर रहे हैं और देश के कर्मचारी माननीय प्रधानमंत्री महोदय से अपेक्षा करते हैं आम चुनाव 2024 से पहले कर्मचारियों को पुरानी पेंशन की गारंटी दे लोकतंत्र में कर्मचारी सरकार की आंख और कान हाथ होते हैं जब उनकी समस्याओं का समाधान नहीं होगा फिर कैसे लोकतंत्र मजबूत होगा देश के कर्मचारियों की निगाहें प्रधानमंत्री जी पर लगी हुई है जल्दी से जल्द पुरानी पेंशन बहाली की घोषणा करेंगे

अवैध शराब के खिलाफ शिवपुरी पुलिस की कार्यवाही जारी

पुलिस थाना फिजीकल एवं पुलिस थाना बदरवास द्वारा दो प्रकरणों मे चार आरोपियों से 20 पेटी देशी व 80 लीटर हाथी भट्टी की कच्ची शराब मय एक कार के जप्त कर कार्यवाही की

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-पुलिस अधीक्षक शिवपुरी रघुवंश सिंह भदौरिया जी के द्वारा जिले मे अवैध मादक पदार्थ, जुआ सट्टा, अवैध हथियार, अवैध खनन परिवहन, अवैध शराव के खिलाफ धरपकड़ अभियान के तहत आरोपियों के खिलाफ जीरो टालरेन्स अपनाते हुये कार्यवाही करने हेतु निर्देश दिये गये हैं । उक्त निर्देशों के पालन मे अति0 पुलिस अधीक्षक शिवपरी श्री संजीव मुले जी एवं सीएसपी शिवपुरी के कुशल मार्गदर्शन मे दिनांक 31.01.2024 को थाना फिजीकल पुलिस को मुखविर द्वारा सूचना मिली कि एक कार क्रमांक डी एल 8 सी एक्स 9069 मे कुछ लोग अवैध शराब बेचने के लिये ले जा रहे हैं उक्त सूचना पर से थाना प्रभारी फिजीकल द्वारा तुरंत कार्यवाही करते हुये पुलिस टीम को मुखबिर के बताये स्थान करबला चौराहे के पास वाहन चैकिंग लगाई गई । वाहन चैकिंग को दौरान कार क्रमांक डी एल 8सी एक्स 9069 आई जिसे रोकर चैक किया गया तो उसमे से 20 पेटी

देशी प्लेन शराब कीमती 70,000 रु की मिली कार मे तीन लोग मिले जिनके नाम पते 1.केदार लोधी पिता लखनलाल लोधी उम्र 36 साल नि राजपुर थाना पिछोर 2.कमल लोधी 3.मगंल लोधी होना बताया । पुलिस द्वारा अवैध शराब को जप्त कर उक्त आरोपियों के खिलाफ आवकारी एक्ट मे कार्यवाही की है ।इसी क्रम मे पुलिस थाना बदरवास द्वारा मुखबिर की सूचना पर से कंजर डेरा ग्राम लिलवारा से आरोपिया कन्या बाई पत्नी स्व. जितेन्द्र कंजर उम्र 30 साल निवासी कंजर डेरा ग्राम लिलवारा से घर मे 80 लीटर हाथ भट्टी की कच्ची शराब कीमती 8000 रुपये की अवैध शराब जप्त कर कार्यवाही की है ।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने जिले की पूजा यादव से जीवंत संवाद किया

विभिन्न योजनाओं में 1244 हितग्राहियों को

3003.34 लाख की ऋण राशि प्रतीकात्मक रूप से वितरित की गई

पुष्पांजली टुडे

दमोह। रोजगार दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम अंतर्गत आज प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने मुरैना जिले से ऑनलाईन हितग्राहियों से संवाद किया । इस दौरान विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं में 1244 हितग्राहियों को 3003.34 लाख की ऋण राशि को प्रतीकात्मक रूप से वितरण किया गया। एनआईसी दमोह में कलेक्टर मयंक अग्रवाल, जिला पंचायत सीईओ अर्पित वर्मा सहित हितग्राहियों ने कार्यक्रम को देखा व सुना तथा संवाद किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री जी द्वारा विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं में दमोह, छतरपुर, अनूपपुर और ब?वानी के एक-एक हितग्राही से जीवंत संवाद किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दमोह जिले की पूजा यादव से जीवंत संवाद किया। पूजा यादव ने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना अंतर्गत एसबीआई स्टेशन शाखा से 05 लाख के ऋण सहायता से आरओ वाटर प्लांट स्थापित किया है, इसके लिये मुख्यमंत्री जी ने पूजा यादव का तालियों से स्वागत किया एवं उज्जवल भविष्य की कामना की । पूजा यादव ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से ऑनलाईन चर्चा करते हुये वाटर पंप लगाने के बात कही। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री यादव ने पूछा कि इसके लिये आपको दमोह में इतना मार्केट मिल जायेगा और इसके पहले कभी आपने काम किया है, जिस पर पूजा यादव ने कहा मार्केट मिल रहा है सर और वाटर पंप पहले से चालू था, इसे और आगे ब?ाया है। पूजा यादव के काम के लिये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उनकी हिम्मत की दाद दी। कार्यक्रम में कलेक्टर मयंक अग्रवाल, जिला पंचायत सीईओ अर्पित वर्मा, हटा विधायक प्रतिनिधि पंकज शर्मा, महाप्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र मंदाकिनी केवलिया पाण्डेय एवं अन्य विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहे।

किशोरी को 15 साल के पेट दर्द से छह घंटे में मिला छुटकारा

ग्वालियर । जन्मजात बीमारी से 15 साल बाद एक किशोरी को आज छुटकारा मिल चुका है। वह पूरी तरह से स्वस्थ और बुधवार को अस्पताल से घर भी पहुंच चुकी है। बीमारी से निजात दिलाई जयारोग्य अस्पताल के सुपर स्पेशियलिटी हास्पिटल के गेस्ट्रो सर्जन डा. आशीष श्रीवास्तव और उनकी टीम ने। जिन्होंने किशोरी के पेट में बन गई पांच किलो की तिल्ली को बाहर निकाला। गौरतलब है कि सुपर स्पेशियलिटी हास्पिटल में अब पेट संबंधी बीमारियों के आपरेशन शुरू हो चुके हैं। 15 साल की शिवानी को थी जन्मजात बीमारी- शिवपुरी की रहने वाली 15 साल की शिवानी को जन्मजात बीमारी थी। इस बीमारी का नाम ज्नानसिरौटिक पोर्टल हाइपरटेंशनज् है। यह पेट संबंधी बीमारी होती है जिसके कारण मरीज को खून की उल्टियां होती है और काला मल निकलता है। खून की उल्टी होने से मरीज में खून की कमी आने लगती है, जो जानलेवा साबित हो सकती है। इस बीमारी में तिल्ली तेजी से बढ़ने लगती है। असल में यह बीमारी होने का कारण डिलीवरी के समय पर बच्चे के पेट में संक्रमण पहुंचने से होती है। इस संक्रमण से लिवर में खून की नली पोर्टल वेन में रुकावट आ जाती है इससे खून की ड्रेनेज़ सही से नही होता और पेट की नसों में खून का प्रैशर बढ़ जाता है। इस कारण से मरीज को खून की उल्टियां होने लगती है, लेकिन इस बीमारी का उपचार अब ग्वालियर के सुपर स्पेशिलिटी अस्पताल में निश्शुल्क मिलने लगा है। शिवानी भी इसी समस्या से ग्रस्त थी। जिसे एक सप्ताह पहले सुपर स्पेशियलिटी हास्पिटल की ओपीडी में स्वजन लेकर पहुंचे थे। जांच में जब बीमारी का पता चला तो उसे भर्ती कर लिया गया और आपरेशन किया जो छह घंटे चला, लेकिन अब वह पूरी तरह से स्वस्थ है।

छह घंटे चला आपरेशन-डा. आशीष श्रीवास्तव बताते हैं कि छह घंटे चले आपरेशन के दौरान तिल्ली को बाहर निकाला गया जिसकी वजन करीब पांच किलो रहा होगा। तिल्ली से खून ले जाने वाली स्पेलेनिक वेन को बाईं रीनल वेन (गुर्दे की नस) से जोड़ा जाता है,

ग्वालियर - भिण्ड हाइवे सिक्स लेन की माँग को लेकर महामहिम के नाम गोहद तहसीलदार को सौपा ज्ञापन एक मार्च को भिण्ड मे घेराव

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । गोहद 01 फरवरी को

समाजसेवी जनो भूतपूर्व सैनिको ने गोहद शहर मे रैली निकालकर महामहिम के नाम सौपा ज्ञापन प्रेस को जारी बयान मे महेश सिँह करारिया पूर्व फौजी ने बताया कि इस अवसर पर सभा को ग्वालियर भिँड हायवे सिक्स लेन के लिए पिछ्ले एक साल से अभियान चला रहे सुनील फौजी ने सभा को सँबोधित करते हुए कहा कि इस मुद्दे को लेकर हम सभी मँत्रियो बिधायको को ज्ञापन दे चुके है पर सरकार हो या बिपछ कोई भी इस मुद्दे को लेकर गँभीर नही है टोल कम्पनियोँ का अनुबँध अगर सरकारे बडाती रहेगी ,तो यह 30 फुट की सिँगल रोड सिक्स लेन बन ही नही पायेगा और हमारे नौजवान हायवे पर दर्दनाक मौत मरते रहेँगे,हायवे नही बन रहा है तो उसकी जड मे है भ्रस्टाचार और टोल कम्पनिया सुनील फौजी ने कहा हम गाँव गाँव जाकर नुक्कड सभाए कर सरकार और बिपछ की असलियत उजागर करेगे और 100 गाँवो की यात्रा के बाद सभी पूर्व फौजी समाजसेवी 01 मार्च को भिँड कलेक्टर आँफिस पर अनिशचितकालीन डेरा डालो घेरा डालो अभियान चलाकर थरना देँगे इस अवसर पर जयदीप फौजी,कैप्टन के सी शर्मा ,अरबिँद शर्मा ,शिवम पचोरी,थर्मेद्र तोमर फौजी सर्वा ,पुखराज भटेले,आशीष शर्मा,बिनोद थापक,राजेश शर्मा ,अम्रतलाल माहौर , राजेश , दीपेश,नरेद्रँ बाथम,याकूब खान,सहित सैकडो समाजसेवी उपस्थति रहे

जबेरा विधानसभा के विभिन्न ग्रामों में सम्मिलित हुए मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी

पुष्पांजली टुडे

दमोह। जबेरा से विधायक एवं मध्य प्रदेश शासन में राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मेंद्र सिंह लोधी जबेरा विधानसभा के विभिन्न ग्रामों में सम्मिलित हुए जिसमें भारतीय जनता पार्टी कार्यालय जबेरा में जेष्ठ श्रेष्ठ कार्यकर्ताओं से भेंट की। नगर जबेरा में चल रहे मंत्री कप 2024 के फाइनल में सम्मिलित हुए फाइनल मैच कोंरता और जबेरा के बीच खेला गया जिसमें जबेरा टीम ने पहले बैटिंग की कोंरता टी ने बालिंग 15/15 ओवर के मैच में जबेरा टीम विजयी हुई उप विजेता टीम कोंरता रही ।विजय टीम को मंत्री लोधी ने पुरस्कार वितरण करते हुए बधाई दी।पवन पड़रिया में चल रही श्री राम कथा महायज्ञ में सम्मिलित हुए एवं मंत्री श्री लोधी ने कहा कि राम कथा सुनने से घर में सुख समृद्धि बढ़ती है।कथा श्रवण करने से सारे पाप कट जाते हैं ।श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा अयोध्या में संपन्न हो गई है और संपूर्ण देश में दीपावली जैसा माहौल रहा था ।

इमरान खान और महमूद कुरैशी को साइफर केस में 10 साल की सजा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में आज मुल्क के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष इमरान खान और पार्टी के नेता एवं पूर्व विदेशमंत्री शाह महमूद कुरैशी को साइफर केस में 10 साल जेल की सजा सुनाई गई। रावलपिंडी के स्पेशल कोर्ट के जज अबुल हसनत जुल्करनैन ने अदियाला जेल में इसका ऐलान किया।

पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और कुरैशी की मौजूदगी में जज ने यह फैसला सुनाया। पिछले साल से ही इस केस की सुनवाई अदियाला जेल में चल रही थी। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान में आठ फरवरी को आम चुनाव है। ऐसे में नौ दिन पहले आया यह फैसला इमरान खान के राजनीतिक करियर के लिए खतरनाक हो सकता है। साइफर का मतलब होता है सीक्रेट कोवर्ड में लिखा गया संदेश। साइफर गुप्त और प्रतिबंधित संदेश होता है। यह डिप्लोमेटिक कम्युनिकेशन का हिस्सा होता है। दो देशों के बीच होने वाली कई तरह की बातचीत को गुप्त रखा जाता है।

संघीय जांच एजेंसी के आरोप पत्र में कहा गया है कि इमरान ने इस संदेश को वापस नहीं किया। पीटीआई लंबे समय से कह रही है कि इस संदेश में इमरान को प्रधानमंत्री पद से हटाने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका की ओर से धमकी दी गई थी। इमरान और कुरैशी चुनाव से पहले जेल में बंद हैं। इमरान खान की उम्मीदवारी भी खारिज हो चुकी है। कुरैशी को जरूर चुनाव लड़ने की छूट मिली है लेकिन आज की सजा का मतलब है कि दोनों अगले पांच साल तक चुनाव नहीं लड़ पाएंगे।

इमरान खान को पिछले साल पांच अगस्त को तोशाखाना मामले में भी दोषी ठहराते हुए तीन साल की कैद की सजा सुनाई गई थी। पूर्व विदेशमंत्री कुरैशी को पहली बार सजा सुनाई गई है। रावलपिंडी स्पेशल कोर्ट के जज ने सुनवाई की शुरुआत में इमरान और कुरैशी को आपराधिक प्रक्रिया संहिता की धारा 342 (आरोपी से पूछताछ करने की शक्ति) के तहत एक प्रश्नावली दी। इमरान ने इस पर अपना बयान दर्ज कराया। इसके बाद उनसे गुप्त संदेश के बारे में पूछा। उस पर उन्होंने जवाब दियाः इमैने अपने बयान में वही कहा है जो मुझे नहीं पता है। गुप्त संदेश मेरे कार्यालय में था।" इसके बाद जज ने मामले में दोनों को 10 साल जेल की सजा सुनाई।

अबेई में हिंसा, 54 लोगों की गई जान, संरा महासचिव ने जताई चिंता

खार्तूम (सूडान)। संयुक्त राष्ट्र अंतरिम सुरक्षा बल ने कहा है कि सूडान और दक्षिण सूडान के बीच तेल समृद्ध क्षेत्र अबेई में अंतर-सांप्रदायिक हिंसक झड़पों में 52 नागरिक और दो शांति सैनिक मारे गए। संयुक्त राष्ट्र अंतरिम सुरक्षा बल अबेई की विज्ञप्ति में कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस अबेई प्रशासनिक क्षेत्र में सप्ताहांत में हुई हिंसा से चिंतित हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा है कि अबेई में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम सुरक्षा बल पर हुए हमले में दो शांति सैनिकों ने कर्तव्य की पंक्ति में अपना जीवन बलिदान कर दिया। कर्तव्य पथ पर अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले शांति रक्षकों में एक पाकिस्तान और एक घाना का है। महासचिव ने

मृतकों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने हिंसा की निंदा करते हुए अपराधियों को न्याय के कठघरे में लाने का आह्वान किया है। संयुक्त राष्ट्र अंतरिम सुरक्षा बल की विज्ञप्ति के अनुसार, अबेई में जारी हिंसा में शनिवार को एक और संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षक की मौत हो गई। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्र शांति सेना की स्थापना 2011 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा विवादित अबेई क्षेत्र की निगरानी के लिए की गई थी। इस समय सूडान और दक्षिण सूडान की सीमा पर 5,326 शांति सैनिक तैनात हैं। संयुक्त राष्ट्र अंतरिम सुरक्षा बल अबेई ने आसन्न खतरे के मद्देनजर सभी व्यक्तियों को अपने कुछ शिविरों में शरण लेने की अनुमति दी है।

पाकिस्तान में चुनाव से पहले हिंसा का दौर, कराची में गोलीबारी में 1 की मौत, 3 घायल

कराची। पाकिस्तान में 8 फरवरी को होने वाले आम चुनाव से पहले कराची में पिछले कुछ दिनों में चुनावी हिंसा बढ़ गई है। इस वजह से राष्ट्रीय और प्रांतीय विधानसभा सीटों के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे दलों के बीच पहले से ही कई झड़पें हो चुकी हैं। ताजा घटनाक्रम में सोमवार को नाजिमाबाद में हिंसक झड़पें हुईं, जिसमें पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के कार्यकर्ताओं के साथ गोलीबारी के दौरान मुत्तहिदा कौमी मूवमेंट (एमक्यूएम पाकिस्तान) के एक कार्यकर्ता की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। इससे एक दिन पहले रविवार को क्लिफ्टन इलाके में जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी की एक चुनावी रैली पर पुलिस की भारी टुकड़ियों ने लाठीचार्ज किया, आंसू गैस के गोले दागे और जबरन तितर-बितर कर दिया। इस उपद्रव में कुछ पुलिसकर्मियों समेत कम से कम 25 लोग घायल हो गए।

दक्षिणी सिंध प्रांत, विशेष रूप से कराची - जो पाकिस्तान का वित्तीय केंद्र भी है, पर पीपीपी के गढ़ को एक चुनौती का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि आगामी चुनावों में विभिन्न पार्टियां जमकर प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। बिलावल जरदारी-भुट्टो के नेतृत्व वाली पीपीपी की सिंध और कराची पर पकड़ तब भी बनी हुई है, जब खान के नेतृत्व वाली पीटीआई ने 2018 में पिछले चुनावों में सरकार बनाई थी और अविश्वास प्रस्ताव के बाद 2022 में शाहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार के गठन के दौरान भी पीटीआई शासन को समाप्त कर दिया। पूर्व निर्वाचित एमक्यूएम सदस्यों और उससे अलग हुए समूहों के साथ-साथ स्वतंत्र उम्मीदवारों के रूप में चुनाव लड़ रहे पीटीआई सदस्यों की भागीदारी से कराची में चुनाव पूर्व हिंसा तेज हो गई है। पिछले सप्ताह चुनाव प्रचार शुरू होने के बाद से विभिन्न क्षेत्रों में पीपीपी, पीटीआई और एमक्यूएम-पी के समर्थकों के बीच झड़प की खबरें सामने आई हैं।

राष्ट्रपति बाइडन ने कहा, हमले का दिया जाएगा जवाब, ईरान से युद्ध नहीं चाहता अमेरिका

वाशिंगटन। जार्डन में अमेरिकी सैनिकों पर हमले के बाद व्हाइट हाउस ने सोमवार को कहा कि अमेरिका ईरान के साथ या क्षेत्र में व्यापक युद्ध नहीं चाहता। अमेरिकी प्रशासन का मानना है कि जॉर्डन में अमेरिकी सैनिकों को निशाना बनाने के लिए एक ड्रोन जिम्मेदार था। वहीं, जॉर्डन मामले को लेकर राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि अमेरिका इसका जवाब देगा। बाइडन ने साउथ कैरोलिना में कहा कि पश्चिम एशिया में हमारे लिए पिछली रात काफी कठिन गुजरी। हमने अपने तीन बहादुर सैनिकों को खो दिया। वहीं जार्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकाने पर ड्रोन से हमले में तीन अमेरिकी सैनिकों की मौत पर ईरान के विदेश मंत्रालय ने जवाब दिया है। मंत्रालय का कहना है कि हमले में तेहरान का कोई हाथ नहीं है। उन्होंने कहा कि संघर्षरत समूह अपने खुद के सिद्धांत और प्राथमिकता के आधार पर फैसला लेते हैं। वह फलस्तीन

और वहां के लोगों का किस तरह समर्थन करेंगे यह फैसला उनका अपना है।

उन्होंने कहा कि अमेरिका अपने चुने गए तरीके और समय के हिसाब से उन्हें जवाबदेह ठहराएगा। इस बीच पूर्वी सीरिया में ईरान समर्थित आतंकियों की ओर से अपने ठिकानों को खाली कर दूसरी जगह जाने की बात सामने आ रही है। उन्हें भय है कि अमेरिका हवाई हमले कर उन्हें निशाना बनाएगा। ये क्षेत्र मयादीन और बोकामल के गढ़ हैं गौरतलब है कि सात अक्टूबर के बाद इजरायल और हमास के बीच युद्ध छिड़ने के बाद से ईरान समर्थित आतंकियों की ओर से अमेरिकी सेना पर हमले बढ़ गए हैं। ये समूह इजरायल के गाजा पर हमले का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने युद्ध शुरू होने के बाद से अमेरिकी सैनिकों पर 150 से अधिक हमले किए हैं। पहला बड़ा हमला 18 अक्टूबर को इराक में मौजूद अमेरिकी सैनिकों पर बोला गया था। इसके बाद लगातार हमले जारी हैं। रविवार को किए गए घातक हमले से पहले 20 जनवरी को बड़ा हमला बोला गया था। इसमें ईरान के मिलिशिया समूह ने इराक में मौजूद अमेरिकी हवाई बेस पर कई मिसाइलें दागी थीं।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने सोमवार को कहा कि वह पश्चिम एशिया में तनाव को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने सीरिया सीमा के पास पूर्वोत्तर जार्डन में अमेरिकी सैनिकों पर हुए हमले के बाद ईरान से तनाव कम करने का आग्रह किया है। सुनक ने कहा कि ब्रिटेन ड्रोन हमलों की निन्दा करता है। सुनक ने कहा कि हम इस क्षेत्र में स्थिरता और शांति के लिए अपने सहयोगियों के साथ दृढ़ता से खड़े हैं।

काबुल में क्षेत्रीय सम्मेलन में भारत समेत 10 देश हुए शामिल

भारत समेत लगभग 10 देशों ने सोमवार को काबुल में तालिबान द्वारा आयोजित एक सम्मेलन में भाग लिया। अफगान मीडिया के मुताबिक भारत उन 10 देशों में शामिल था, जिन्होंने क्षेत्रीय सहयोग के व्यापक उद्देश्य के साथ सोमवार को काबुल में तालिबान द्वारा आयोजित एक सम्मेलन में भाग लिया। भारत ने अभी तक तालिबान की स्थापना को मान्यता नहीं दी है और काबुल में एक समावेशी सरकार के गठन की वकालत कर रहा है। विदेश मंत्रालय की ओर से बैठक पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया। भारत की तरफ से इस बैठक में दो प्रतिनिधि शामिल हुए।

अफगानिस्तान की समाचार एजेंसी खामा प्रेस ने बताया कि इस सम्मेलन में भाग लेने वाले देशों में भारत, कजाखस्तान, तुर्की, रूस, चीन, ईरान, पाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, इंडोनेशिया और किर्गिस्तान शामिल थे। सम्मेलन में रूस का प्रतिनिधित्व अफगानिस्तान के लिए उसके विशेष प्रतिनिधि जमीर काबुलोव ने किया।

"क्षेत्रीय सहयोग पहल" बैठक को तालिबान शासन के कार्यवाहक विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी ने संबोधित किया। तालिबान के विदेश मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इन देशों को अफगानिस्तान के साथ सकारात्मक बातचीत बढ़ाने और जारी रखने के लिए क्षेत्रीय बातचीत करनी चाहिए।

उन्होंने तालिबानी सरकार पर लगी पाबंदियों को हटाने की भी मांग की। 2021 में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद भारत समेत कई देशों ने अफगानिस्तान से सभी कूटनीतिक संबंध तोड़ लिए थे। तालिबान विदेश मंत्रालय के उप प्रवक्ता हाफिज जिया अहमद ने बैठक में शामिल हुए भारतीय प्रतिनिधि के हवाले से कहा कि भारत अफगानिस्तान में स्थिरता लाने को लेकर होने वाली सभी पहलों का समर्थन करता है. अहमद एक्स पर एक पोस्ट में भारतीय प्रतिनिधियों के हवाले से लिखा, "भारत अफगानिस्तान से जुड़ी अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय पहलों में सक्रिय रूप से भाग लेता है और अफगानिस्तान की स्थिरता और विकास के लिए के लिए हर प्रयास का समर्थन करता है." सम्मेलन में मुत्तकी ने माना कि अफगानिस्तान में बरसों की घुसपैठ और अंदरूनी संघर्ष को लेकर कई तरह की चुनौतियां हैं पर वो इनका समाधान चाहते हैं. मुत्तकी ने सम्मेलन में भाग लेने वाले देशों से क्षेत्र के विकास के लिए अफगानिस्तान में उभरते अवसरों का लाभ उठाने और "संभावित खतरों के प्रबंधन में समन्वय" करने का आग्रह किया. वहीं इससे पहले संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में भारतीय दूतावास द्वारा अबू धाबी में गणतंत्र दिवस समारोह के लिए कार्यवाहक अफगान दूत बदरुद्दीन हक्कानी को आमंत्रित किया गया था. मीडिया में एक सरकारी सूत्र के हवाले से कहा गया था कि निमंत्रण उस देश में स्थित सभी मान्यता प्राप्त मिशनों को भेजा गया था और यह मानक राजनयिक प्रक्रिया का हिस्सा था. जून 2022 में भारत ने अफगानिस्तान की राजधानी में अपने दूतावास में एक "तकनीकी टीम" तैनात करके काबुल में अपनी राजनयिक उपस्थिति फिर से स्थापित की थी. तालिबान द्वारा सत्ता पर कब्जा करने के बाद उनकी सुरक्षा पर चिंताओं के बाद भारत ने दूतावास से अपने अधिकारियों को वापस बुला लिया था.

प्रिंसेस केट मिडलटन दो सप्ताह बाद अस्पताल से लौटी, किंग चार्ल्स के प्रोस्टेट का हुआ इलाज

लंदन। वेल्स की राजकुमारी केट मिडलटन सर्जरी के दो सप्ताह के बाद अस्पताल से वापस लौट आई हैं। यह जानकारी केंसिंग्टन पैलेस ने एक बयान में जानकारी दी। वहीं किंग चार्ल्स तृतीय भी प्रोस्टेट के इलाज के बाद अस्पताल से वापस लौट आए हैं। बयान में कहा गया प्रिंस विलियम की 42 वर्षीय पत्नी केट लंदन की क्लिनिक में एक अज्ञात बीमारी की सर्जरी के बाद घर वापस आ गईं। केट सर्जरी के बाद बेहतर महसूस कर रही हैं। हालांकि केट की बीमारी की कोई जानकारी नहीं दी गई है लेकिन यह यह कहा गया कि यह बीमारी कैंसर नहीं थी। लंदन की इस क्लिनिक में शुक्रवार को किंग चार्ल्स का भी प्रोस्टेट का इलाज हुआ है। चार्ल्स ने यहां तीन रातें बिताईं। इसके अलावा किंग चार्ल्स की पत्नी कैमिला भी यहां नियमित रूप से आती रहती थीं। केंसिंग्टन पैलेस ने कहा कि केट अब लंदन के पश्चिम में विंडसर एस्टेट स्थित घर पर

वापस आ गई हैं। उनके स्वास्थ्य में अच्छी प्रगति हो रही है। राजकुमार और राजकुमारी लंदन क्लिनिक की पूरी टीम, विशेष रूप से नर्सिंग स्टाफ को उनके द्वारा की गई देखभाल के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहते हैं।"

वहीं, राजकुमारी केट ईस्टर के बाद तक सार्वजनिक तौर पर नहीं लौट पाएंगी। उनके पति प्रिंस विलियम ब्रिटिश सिंहासन के उत्तराधिकारी हैं। उन्होंने अपने तीन बच्चों, दस साल के प्रिंस जॉर्ज, आठ साल की प्रिंसेस चार्लोट, और पांच साल के प्रिंस लुइस की देखभाल के लिए अपने कार्यक्रमों को स्थगित कर दिया। वहीं ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय को प्रोस्टेट्ह के उपचार के बाद सोमवार को अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी। निजी लंदन क्लिनिक से बाहर निकलते हुए 75 वर्षीय चार्ल्स ने मुस्कराते हुए जनता की ओर हाथ हिलाया। इस दौरान उनके साथ महारानी कैमिला पार्कर भी थीं। चार्ल्स ने अस्पताल में तीन रातें बिताईं और रविवार को महारानी ने उनसे दो बार मुलाकात की। चार्ल्स शुक्रवार को अस्पताल में भर्ती हुए थे। रविवार अपराह्न कार से मध्य लंदन स्थित द्य लंदन क्लिनिकह्व पहुंची कैमिला करीब तीन घंटे से अधिक समय बाद अस्पताल से निकलते समय मुस्कुराई। बकिंघम पैलेस द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि चार्ल्स ने ह्यपूरी तरह से ठीक होने तक चार्ल्स ने आगामी सभी सार्वजनिक कार्यक्रमों को पुनर्निर्धारित कर दिया है। बयान के मुताबिक, चार्ल्स ने अस्पताल में अपने बिताए वक्त और उपचार में शामिल सभी लोगों को धन्यवाद दिया और कहा कि हाल के दिनों में उन्हें प्राप्त हुए सभी संदेशों के लिए वह आभारी हैं।

पूर्वी भू-मध्य सागर मार्ग पर 2024 की घातक शुरूआत, 100 लोगों ने गंवाई जान

जिनेवा। इस साल की शुरूआत पूर्वी भू-मध्य सागर मार्ग पर मानवीय क्षति के लिए घातक रही। जनवरी में इस मार्ग पर 100 लोगों ने जान गंवाई या लापता हो गए। यह खुलासा संयुक्त राष्ट्र प्रवासन एजेंसी (इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन फॉर माइग्रेशन 'आईओएम') ने किया है। एजेंसी के अनुसार, 2023 की समान अवधि, 2016 के बाद से यूरोप में समुद्र में प्रवासियों के लिए यह सबसे घातक वर्ष है।

एजेंसी की विज्ञप्ति के अनुसार, आईओएम की महानिदेशक एमी पोप ने प्रवासियों की सुरक्षा पर रोम में आयोजित इटली-अफ्रीका सम्मेलन में दिए अपने वक्तव्य में इस पर चिंता जताई है। इस सम्मेलन में इटली के प्रधान मंत्री जियोर्जिया मेलोनी और यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन सहित 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष और प्रधानमंत्री भाग ले रहे हैं। एमी पोप ने कहा, "इटली-अफ्रीका सम्मेलन खतरनाक मार्गों पर मानव जीवन के अनावश्यक नुकसान को रोकने और यात्रा करने वाले लोगों की सुरक्षा के लिए एकीकृत और टिकाऊ तंत्र पर चर्चा करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है।" यूएन एजेंसी के अनुसार, इटली का लक्ष्य सहयोग, विकास और समान साझेदारी के मॉडल के माध्यम से यूरोप और अफ्रीका के बीच एक पुल के रूप में अपनी भूमिका को मजबूत करना है। पिछले छह हफ्तों के भीतर लीबिया, लेबनान और ट्यूनीशिया से 158 लोगों को ले जाने वाले तीन जहाजों का पता नहीं चल पाया है। इनमें से 73 लोगों को लापता और मृत मान लिया है। एजेंसी ने कहा है कि बुधवार को अधिकारियों ने साइप्रस के केप ग्रीको से 62 प्रवासियों के एक समूह को बचा लिया। इन लोगों ने 18 जनवरी को लेबनान छोड़ा था। अधिकांश अस्पताल में भर्ती हैं और उन्हें गंभीर रूप से बीमार बताया गया है। कई बच्चों की हालत गंभीर है। अब तक एक बच्चे की मौत हो चुकी है। माना जाता है कि हाल के दिनों में अंतायला, तुर्किये में तट पर आए सात शव 11 दिसंबर को लेबनान से रवाना होने के बाद से लापता 85 प्रवासियों के समूह के हैं। आईओएम के मिसिंग माइग्रेंट्स प्रोजेक्ट के अनुसार, पूरे भू- मध्य सागर में प्रवासी मौतों और लापता होने की वार्षिक संख्या 2021 में 2,048, 2022 में 2,411 और 2023 में 3,041 है।

भारतीय नागरिक ने अमेरिका में डार्क वेब के जरिये मादक पदार्थ बेचने का आरोप स्वीकारा

वाशिंगटन। अमेरिका में डार्क वेब के माध्यम से खतरनाक मादक पदार्थ बेचने के आरोप को 40 वर्षीय भारतीय नागरिक के स्वीकार करने के बाद मुश्किलें बढ़ गई है। ब्रिटेन से प्रत्यर्पित भारतीय नागरिक बनमीत सिंह इसके साथ ही क्रिप्टोकरेंसी में लगभग 15 करोड़ अमेरिकी डॉलर पर अपना अधिकार छोड़ देगा। अमेरिकी न्याय विभाग ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि अदालत के दस्तावेजों के अनुसार, उत्तराखंड के हल्द्वानी के बनमीत सिंह ने फेंटेनाइल, एलएसडी, एक्स्टसी, जैनैक्स, केटामाइन और ट्रामाडोल सहित नियंत्रित पदार्थों को बेचने के लिए डार्क वेब मार्केटप्लेस पर विक्रेता विपणन साइट बनाई। विज्ञप्ति में कहा गया है कि ग्राहकों ने इन साइट का उपयोग करके और क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से भुगतान करके बनमीत सिंह से नियंत्रित पदार्थ का ऑर्डर दिया। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इसके बाद सिंह ने व्यक्तिगत रूप से यूएस मेल या अन्य शिपिंग सेवाओं के माध्यम से यूरोप से अमेरिका तक दवाओं को भेजा या इसी व्यवस्था की। न्याय विभाग के आपराधिक प्रभाग के कार्यवाहक सहायक अटॉर्नी जनरल निकोल एम अर्जेंटीना ने कहा, बनमीत सिंह और उनके जैसे तस्कर सोचते हैं कि वे डार्क वेब पर गुमनाम रूप से काम कर सकते हैं और सजा से बच सकते हैं। इस दोष स्वीकारोक्ति याचिका में लगभग 15 करोड़ अमेरिकी डॉलर पर अधिकार छोड़ना शामिल है जो क्रिप्टोकरेंसी में है। यह अर्जी यह दर्शाती है कि न्याय विभाग अमेरिकी कानून का उल्लंघन करने वाले अपराधियों को जवाबदेह ठहराएगा, चाहे वे अपनी गतिविधि कैसे भी छिपायें। अप्रैल 2019 में बनमीत को लंदन में गिरफ्तार किया गया था और 2023 में उसे अमेरिका प्रत्यर्पित किया गया। उसे आठ वर्ष जेल की सजा भुगतनी होगी। हालांकि सजा को लेकर अभी कोई तिथि निर्धारित नहीं की गई है।

उपायुक्त की अध्यक्षता में विभिन्न बैंकों के शाखा प्रबंधकों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित

दुमका। बुधवार को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे की अध्यक्षता में विभिन्न बैंकों के शाखा प्रबंधकों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई।बैठक में उपायुक्त ने सीएमईजीपी,पीएमईजीपी, पीएमएफएमई,जेएसएलपीएस,मुद्रा लोन के लिए विभिन्न बैंको को लक्ष्य के अनुरूप कार्य करने का निदेश दिया।उपायुक्त ने कहा कि उक्त योजना हेतु जो भी आवेदन बैंकों को प्राप्त हैं उसका नियमानुसार ढंग से अविलंब स्वीकृत करने का कार्य करें।बैंक के पास आवेदन लंबित नहीं रहे इसे सुनिश्चित करें।उन्होंने कहा कि अगर आवेदन में किसी प्रकार की त्रुटि है अथवा किसी प्रकार का दस्तावेज संलग्न नहीं है तो लाभुक से संपर्क कर दस्तावेश्च प्राप्त कर आवेदन स्वीकृत करने का कार्य करें।बैठक में उप विकास आयुक्त सहित विभिन्न बैंकों के शाखा प्रबंधक उपस्थित थे।

एचआईवी एड्स जागरूकता के तहत नेहरू युवा केंद्र द्वारा विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गई

ग्वालियर --- नेहरू युवा केंद्र ग्वालियर (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार) द्वारा चलाए जा रहे एचआईवी एड्स जागरूकता एवं रोकथाम कार्यक्रम के क्रम में आज शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मुरार में एचआईवी एड्स से सम्बंधित जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।इस कार्यक्रम में अतिथि के रूप में विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती स्मृति शर्मा ,श्रीमती ममता अग्रवाल जी , श्रीमती विमलेश जी ,नीलू जी और साथ में ही एचआईवी एड्स ट्रेनर निखिल कुमार कुशवाह जी उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम नेहरू युवा केंद्र के स्वयंसेवक सोनू खटीक द्वारा कराया गया जिसमें युवाओं द्वारा नुक्कड़ नाटक का मंचन किया साथ ही युवा बैठक ,पेंटिंग प्रतियोगिता व वाद विवाद प्रतियोगिता कराई गई जिसमें युवाओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया और एचआईवी के बारे में भी जाना कि एचआईवी क्या होता है एचआईवी कैसे फैलता है ।कार्यक्रम में एचआईवी एड्स के ट्रेनर निखिल कुमार कुशवाह ने बताया कि मध्य प्रदेश एचआईवी एड्स समिति और नेहरू युवा केंद्र के माध्यम से ज़िले में एड्स जागरूकता एवं रोकथाम के कार्यक्रम किए जा रहे हैं ।हमारे देश में एचआईवी एड्स से पीड़ित लोगों को जागरूक करने के लिए यह कार्यक्रम किया जा रहे हैं और एचआईवी एड्स की रोकथाम कैसे की जा सकती है।एचआईवी के साथ जीने वाले लोग दवाएं ले तो उन्हें एड् सम्भावना बहुत कम होत किन्तु बिना इलाज प्रतिरक्षा प्रणाली बहुत कम हो जाती है। यदि आप एचआईवी से प्रभावित हैं तो इसे जानने का एक मात्र तरीका

एचआईवी जाँच करवाना ही है ।यदि आपको एचआईवी के कुछ शुरुआती या थो? लक्षण दिखाई प?ते हैं, तो यह महत्वपूर्ण है कि आप एचआईवी की जाँच कराएं।यदि एचआईवी एंटीजन आपके रक्त में है, तो ऐसी जाँचें उपलब्ध हैं जो आपके वायरस के संपर्क में आने से दो सप्ताह बाद ही एचआईवी संक्रमण की पहचान कर सकते है। कार्यक्रम के अंत में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से एचआईवी एड्स सम्बंधित जागरूकता संदेश दिया गया और प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। नुक्कड़ नाटक की टीम में आकांक्षा,अंजलि, अंजू, पंकज, आशु, प्रतीक्षा, मिनी, शिवानी, काजल, नंदिनी, अभिषेक, प्रियांशु इत्यादि स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

माघ का महीना आत्मज्ञान की प्राप्ति व परमात्मा से योग का अवसर होता है

माघ का महीना पहले माध का महीना था, जो बाद में माघ हो गया. माध शब्द का संबंध श्री कृष्ण के एक स्वरूप ÷माधव÷ से है। इस महीने को अत्यंत पवित्र माना जाता है। इस महीने में ढेर सारे धार्मिक पर्व आते हैं , साथ ही प्रकृति भी अनुकूल होने लगती है। इसी महीने में संगम पर ÷कल्पवास÷ भी किया जाता है, मान्यता अनुसार इससे व्यक्ति शरीर और आत्मा से नवीन हो जाता है। माघ मास में दान करने का भी विशेष महत्व होता है। साथ ही इस माह में ही मौनी अमावस्या पर्व भी आता है जो मौन के महत्व को रेखांकित करता है। इसी माह में मां शारदा की आराधना का पर्व वसंत पंचमी भी मनाया जाता है। भारतीय संस्कृति का निर्धारण मनीषियों द्वारा गणितीय, वैज्ञानिक, प्राकृतिक, शारीरिक, आध्यात्मिक व आत्मिक दृष्टिकोण को ध्यान में रखकर किया गया है। आधुनिक समय में अधिकांश व्यक्ति या तो इन सूक्ष्मताओं से अनभिज्ञ होते हैं अथवा इन्हें अत्यंत सतही तौर पर मानते हैं। वास्तव में यह पूर्ण मास सूक्ष्म शरीर को संतुलित कर परमात्मा से योग का अवसर प्रदान करता है। हमारे सूक्ष्म शरीर के प्रमुख छ- चक्रों की जागृति का

विधान हमारी संस्कृति निर्माताओं ने हमें इस माह में सहज ही प्रदान किया है। कल्पवास की योजना हमें पवित्रता की ओर ले जाती है जिससे मूलाधार चक्र की जागृति संभव हो सकती है। इसके पश्चात इस माह में दान का महत्व बताया गया है, जब हम अपनी अर्जित संपत्ति का प्रयोग जरूरतमंद लोगों के लिए करते हैं तो मां लक्ष्मी की कृपा के पात्र बनते हैं अर्थात नाभि चक्र की जागृति का मार्ग खुलता है। मौन हमें बाह्य जगत से आत्मा की ओर ले जाता है जिससे हृदय चक्र की ओर हमारी दृष्टि जाती है। इसके पश्चात् हम ज्ञान को आत्मसात करने के लिए पूर्णतया तैयार होते हैं और तब हम वसंत पंचमी पर मां सरस्वती की आराधना द्वारा स्वाधिष्ठान चक्र की जागृति करते हैं। माधव मास की साधना व मौन हमारे विशुद्धि चक्र की शुद्धता में सहायक होता है। आत्मज्ञान की प्राप्ति हमें द्वेष व अहंकार से मुक्ति प्रदान करती है व आज्ञा चक्र की जागृति का मार्ग प्रशस्त होता है।

परंतु साधना में कमी यह रह जाती है कि प्रत्येक व्यक्ति इस सूक्ष्म संरचना को समझ नहीं पाता और यदि ज्ञान की प्राप्ति होती भी है तो वह स्थिर नहीं रह पाती सांसारिक जीवन से जुड़ते ही पुनः भौतिकता व माया मन को उलझाने लगती है । इसका सहज समाधान सहजयोग संस्थापिका श्री माताजी निर्मला देवी जी ने कुंडलिनी जागरण द्वारा आत्मसाक्षात्कार की प्राप्ति के रूप में हमारे समक्ष प्रस्तुत किया है। सहजयोग ध्यान द्वारा किसी विशेष अवसर पर नहीं वरन् प्रतिपल जागृत, संतुलित व परमात्मा से योग की अवस्था को प्राप्त कर सकते हैं। इस अनुभव का एक अवसर इस पवित्र मास में स्वयं को अवश्य प्रदान करें।सहजयोग ध्यान का आनंद और अनगिनत लाभ लेने हेतु आप जानकारी निम्न साधनों से पा सकते हैं !टोल फ्री नं ङ्क 1800 2700 800

पुलिस मुख्यालय परिवार द्वारा 6 सेवानिवृत्त कर्मचारियों को भावभीनी विदाई वरिष्ठ अधिकारियों ने सभी को स्मृति चिन्ह भेंट किए

भोपाल, पुलिस मुख्यालय की विभिन्न शाखाओं से माह जनवरी में सेवानिवृत्त 6 कर्मचारियों को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री आलोक रंजन एवं वरिष्ठ अधिकारियों ने बुधवार को भावभीनी विदाई दी। वरिष्ठ अधिकारियों ने सभी को प्लांट एवं स्मृति चिन्ह भेंट किए और उनके स्वस्थ एवं सुखी जीवन की कामना की। सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनके विभिन्न स्वत्व (क्लेम) भुगतान के आदेश भी प्रदान किए गये। नवीन पुलिस मुख्यालय भवन, कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित विदाई समारोह में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री राजेश गुप्ता, श्री अनिल कुमार एवं श्री चंचल शेखर सहित अन्य पुलिस अधिकारी, कर्मचारी एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों के परिजन उपस्थित थे।पुलिस मुख्यालय से सेवानिवृत्त कार्यवाहक उप पुलिस अधीक्षक एससीआरबी श्री पी.डी.मांझी, कार्यवाही उप पुलिस अधीक्षक अजाक शाखा श्री एच.एल.शर्मा, कार्यवाहक उप पुलिस अधीक्षक अजाक शाखा श्री अनिल गार्गव, कार्यवाहक निरीक्षक अ.अ.वि. श्री उदयवीर सिंह भदौरिया, आंकिक/सबूदार (एम) रिकार्ड शाखा श्री अनवर खान तथा कार्यवाहक स.उ.नि. टी केन्टीन श्री विजय नारायण को पुलिस मुख्यालय परिवार ने बुधवार को भावभीनी विदाई दी।सहायक पुलिस महानिरीक्षक डॉ.अंशुमान अग्रवाल ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के कार्यकाल पर प्रकाश डाला। विदाई समारोह में मौजूद अधिकारियों ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों की मेहनत और लगन की सराहना की।

प्रतिदिन 12 घंटे से अधिक समय तक नंगे पैर शूटिंग करना लगभग असंभव है: लकी मेहता

लकी मेहता को दर्शक सुभाष घई के टेलीविजन शो जानकी में मधु के किरदार से पसंद करते हैं। उसे अपने किरदार को निभाने के लिए नंगे पैर चलने जैसी विभिन्न प्रकार की कठिनाई स्तरों को पार करना पड़ा।इसके बारे में बात करते हुए लकी मेहता ने कहा, ÷चूंकि यह सुभाष घई का शो था, मैं इस पर काम करने के लिए बेहद उत्साहित थी । लेकिन असली चुनौती मेरा इंतजार कर रही थी। शो में मेरा %ब्रह्मदत्त% परिवार से हूँ जिसके लोग बहुत धार्मिक हैं, जो पूजा-पाठ और सभी में मानते हैं और हमारे घर में मंदिर है। इन सबके कारण जब हम घर के अंदर शूटिंग कर रहे होते हैं तो हम जूते नहीं पहन सकते।÷÷शुरुआत में मैंने जूते के बिना शूटिंग की। जैसे-जैसे समय बीतता गया मुझे एहसास हुआ कि मेरे पैर में बहुत सारी दरारें आ गई हैं। रोजाना 12 घंटे से अधिक समय तक नंगे पैर शूटिंग करना मेरे लिए लगभग असंभव है। मैं मधु का किरदार निभा रही हूं। जो एक गृहिणी हैं और ज्यादातर समय मुझे घर के अंदर दिखाया जाता है, ÷ लकी मेहता ने कहा 7लकी अपनी परिस्थिति की लेकर कोई लेकर हंगामा नहीं खड़ा करना चाहती थी इसलिए उसने अपनी स्थिति के लिए उचित समाधान खोजना शुरू कर दिया।÷जब मैंने अपना पैर देखा तो मैंने प्रोडक्शन टीम से बात की। उन्होंने कहा कि हमारे घर में एक मंदिर है इसलिए आपको जूते के बिना शूटिंग करनी होगी। मैं हर दिन नहीं पेडीक्योर के लिए नहीं जा सकती और नहीं रेत में नंगे पैर काम कर सकती, जैसा कि हम समुद्र के पास मड आयलैंड पर शूटिंग करते हैं । फिर मैंने ऑनलाइन समाधान खोजना शुरू किया और पैरो पर चिपकने वाली एक सिलिकॉन स्टिक देखी और तब से मैं घर में शूटिंग के दौरान उसे पहन रही हूं।% लक्की मेहता ने अपनी बात पूरी करते हुए कहा ।बिना जूतों के शूटिंग करना लकी के लिए चुनौतियों में से एक तो था ही, लंबे समय से उनकी आंखों में सूजन भी है। शो में उनका किरदार इमोशनल दिखाता है जो कई बातो पे रोता रहता है। नतीजतन, उन खास दिनों में शूटिंग खत्म करने के बाद उन्हें अपनी आंखों पर आइस पैक लगाना पड़ता है। इन सबके कारण लकी मेहता जानकी के सेट पर शो के निर्माता सुभाष घई द्वारा सबसे अधिक सराहना की जाने वाली अभिनेत्रियों में से एक हैं।

कछुआ तस्कर गिरोह का भाण्डाफोड़,चार हुए गिरफ्तार,अभियुक्तों के पास से बरामद हुए कछुए

बांदा। नदी तालाब और नहर से पककर दुर्लभ प्रजाति के कछुओं की तस्करी करने वाले चार तस्करों को जिले की गिरवां पुलिस ने गिरफ्तार करके उनके कब्जे से दुर्लभ प्रजाति के 16 कछुए बरामद किए हैं। पके गए तस्करों में तीन मध्य प्रदेश के पन्ना जिले के रहने वाले हैं जबकि एक आरोपी यूपी के सुल्तानपुर जिले का रहने वाला है।इस बारे में क्षेत्राधिकारी नरैनी अंबुजा त्रिवेदी ने बताया कि मंगलवार की शाम गिरवां पुलिस को गस्त एवं चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना मिली, जिसके आधार पर पुलिस ने बांसी प्रेमपूर्ण नहर पुलिया के पास कछुआ पक रहे 4 तस्करों को घेराबंदी करके

पक लिया। पके गए तस्करों के खिलाफ जीव जंतुओं का अवैध शिकार कर पर्यावरण एवं परिस्थितिकी यंत्र को क्षति पहुंचाने का अभियोग पंजीकृत किया गया है। पके गए अभियुक्तों ने पूछताछ के दौरान बताया कि वह नदी तालाबों से कछुआ पककर मध्य प्रदेश ले जाते हैं जहां उन्हें बेंच देते हैं। पके गए अभियुक्तों के कब्जे से 16 दुर्लभ प्रजाति के कछुए बरामद किए गए। इसकी सूचना तत्काल वन विभाग को दे दी गई है।पके गए अभियुक्तों में दीपक कुचबंधिया पुत्र जिल्लू ,करन कुचबंधिया पुत्र राजू ,संजय कुचबंधिया पुत्र अमर सिंह निवासी बागांव थाना देवेन्द्र नगर जनपद पन्ना म.प्र. और कमलेश कुचबंधिया पुत्र बाबू निवासी पकी थाना सुल्तानपुर जनपद सुल्तानपुर शामिल हैं।

सतयुग का प्रादुर्भाव जब धरती पर होगा तब लोग मांस खाना छोड़ेंगे या दुनिया से उठा लिए जाएंगे

प्रेमियों! जीव हत्या को रोकने की जरूरत है, शाकाहार नशामुक्ति का करो प्रचार

अमरावती (महाराष्ट्र)सतयुग को इस धरा पर ही ले आने में दिन-रात लगने और अपने भक्तों को भी लगा कर पूरी मानवता पर उपकार करने वाले, इस समय के महापुरुष, पूरे समरथ सन्त सतगुरु, दुःखहर्ता, उज्जैन वाले बाबा उमाकान्त जी महाराज ने 24 जनवरी 2024 दोपहर अमरावती, (महाराष्ट्र) में दिए व अधिकृत यूट्यूब चैनल जयगुरुदेवयूकेएम पर लाइव प्रसारित संदेश में बताया कि यदि सभी मांसाहारी व्यक्ति, शाकाहारी हो जाएं तो किसी जानवर की हत्या नहीं होगी। जीव हत्या को रोकने, लोगों में प्रचार करने की जरूरत है, लोगों को हाथ जोड़कर के मना लेना है- हाथ जोड़कर विनय हमारी, तजो नशा बनो शाकाहारी। छोड़ो व्यभिचार बनो ब्रह्मचारी, सतयुग लाने की करो तैयारी।। क्योंकि सतयुग आने वाला है। सतयुग में तो कोई मांसाहारी रहेगा नहीं। कश्मीर से कन्याकुमारी तक मांस, शराब, अंडा, मछली की दुकान नहीं रहेगी। सतयुग का प्रादुर्भाव जब पूरी दुनिया में होगा तो मांस खाना या तो लोग छोड़ेंगे और या तो मांसाहारी इस धरती से उठा लिया जायेगे, अकाल मृत्यु में चले जाएंगे जैसे आजकल लोग मर रहे हैं। बम गिर रहा है, जिसके ऊपर गिर गया वह तो आधी जिंदगी में चल गया। बच्चा पैदा ही हुआ था, जवान होता, बुड्ढा होता लेकिन बम गिर गया, उसमें चला गया। धरती धंस गई, आंधी-तूफान आ गया तो उसमें लोग चले जा रहे हैं, तो चले जाएंगे। यह सब जो बीमारी तकलीफ है, आती है यह एक ट्रेलर है। यह बताती, इशारा करती है की होशियार हो जाओ। यह जो आफत दूसरे के ऊपर आ रही है, यह तुम्हारे ऊपर भी आएगी। बच्चों-बच्चियों स्कूल में पढ़ते हो, वहीं अपने बच्चे बच्चियों को, दोस्तों को, सहेलियों को समझाते रहो, अपने-अपने हिसाब से लोगों को समझाओ। पर हड्डियां और मांस सड़ रहे हैं। हवा दूषित हो रही है। इन चीजों से पवन देवता भी नाराज है। आप समझो, यही हवा ऊपर जाती है। आकाश में देवता भी

कैसे भी हो लोगों की जान बचाओ-प्रेमियों! आप यह समझो, सतयुग देखने के लायक, काबिल लोगों को बनाना है। ब्रह्म में विचरण करने वाले को ब्रह्मचारी कहते हैं, वो लोगों को बनाना है। अब आप अपने हिसाब से प्रचार करो, क्यों क्योंकि सब लोग तो ऐसे कर नहीं सकते हो। तो अपने-अपने हिसाब से करो। कुछ लोग ऐसे हो जो आप सामूहिक रूप से योजना बना करके प्रचार कर सकते हो, तो योजना बना करके करो। रैली-यात्रा निकाल कर, पर्चा बाँट कर, पोस्टर लगा करके करो, घर-घर लोगों को बैठकर के समझाओ। यदि आप व्यापारी हो, आपके दुकान पर ग्राहक आते हैं तो वहीं समझाते रहो। दफ्तर में काम करते हो, वहां भी लोग आते हैं, उनको समझते रहो।

जल पृथ्वी अग्नि वायु आकाश देवता सजा देने के लिए तैयार खड़े हैं-मानव मंदिर को गंदा न करो। यह मानव शरीर रूपी मंदिर है, देवनारायणी शरीर इसे कहा गया। देवता इसको पाने के लिए तरसते रहते हैं। देखो मंदिर मस्जिद गिरजाघर गुरुद्वारा बनाते हो, उसमें अगर कोई मुर्दा मांस ले जाकर के डाल दे तो फिर वहां कोई पूजा नमाज प्रेयर नमाज नहीं पेगा, कहेगा यह जगह गंदी है। अभी लोग सुकून शांति सुख पाने के लिए कितना पूजा-पाठ, यज्ञ जप-तप अनुष्ठान कर रहे लेकिन क्या वह चीज मिल पा रही है यह देवता कहीं खुश हो रहे हैं नहीं। यह सब नाराज खड़े हैं, चाहे पवन, धरती, आकाश देवता हो। क्यों क्योंकि मांसाहार नशा करने की वजह से धरती पर खून बह रहा है। धरती नाराज हो रहे हैं। तो समझो देश खुशहाल कैसे होगा लोगों में खुशी कैसे आएगी कैसे अन्न की पैदावार सतयुग जैसी होने लग जाएगी जैसे पहले समुन्द्र हीरे, मोती, सीप, शंख, मणि, जवाहरात किनारे पर ला करके डालता था, वो अब कैसे डालेगा मणि और मोती की प्रचुरता कैसे होगी

प्रेमियों! जीवों को बचाओ और लोगों को अकाल मृत्यु से बचाओ-इनको खुश करना पड़ेगा। तो बराबर आप लोग जीवों को बचाओ, जिनको लोग मार कर खा जाते हैं, हिंसा-हत्या करके खाते है, उनको बचाओ। लोगों को अकाल मृत्यु से बचाओ। लोगों को इन देवताओं के प्रकोप से बचाओ, लोग अच्छे बन जाए तो सेवा करोगे, उससे आपके कर्म कटेंगे।

24 घंटे बाद भी बेसुराग तीन लोगों की मौत का जिम्मेदार, लड़की से दोस्ती और शराब की कहानी, उलझन में पुलिस

ग्वालियर। बिल्डर, प्राचार्य पत्नी और इनके इकलौते बेटे की मौत का जिम्मेदार देवेंद्र पाठक 24 घंटे बाद भी बेसुराग है। इस मामले में सुसाइड नोट मिलने के बाद भी पुलिस ने अब तक आरोपित पर आत्महत्या के लिए उकसाने की एफआइआर दर्ज नहीं की है। इसके पीछे राजनीतिक रसूखदार की सिफारिश बताई जा रही है। तीन मौत की दिल दहला देने वाली घटना को उलझाने का भी प्रयास हो रहा है।

दो कहानियां पुलिस तक पहुंची- किशोरी के साथ हुआ गैंगरेप, आरोपित और उसका मददगार गिरफ्तार किशोरी के साथ हुआ गैंगरेप, आरोपित और उसका मददगार गिरफ्तारसोमवार को दो कहानियां पुलिस तक पहुंचाई गई। इसमें बिल्डर के बेटे और एक लड़की के बीच दोस्ती फिर शराब पीने की कहानी दबी जुबान में बताई गई। पुलिस उलझन में है, क्योंकि पुलिस अधिकारियों का कहना है- दोनों ही कहानियां इतनी मजबूत नजर नहीं आती, जिससे अचल जिंदगी से हार जाए। पूरा परिवार ही आत्मघाती कदम उठा ले। उधर मृतकों के शवों को बारादरी चौराहे पर रखकर स्वजनों ने जाम लगाया। स्वजनों की मांग थी- आरोपित देवेंद्र पाठक को गिरफ्तार किया जाए, उस पर एफआइआर हो और उसके मकान पर बुलडोजर चलाया जाए।

यह है मामला-सिरोल के हुरावली मुख्य मार्ग पर रहने वाले बिल्डर जीतेंद्र उर्फ जीतू झा, उनकी प्राचार्य पत्नी त्रिवेणी झा और इकलौते बेटे अचल झा की लाशें घर में ही फांसी के फंदे पर लटकी मिली थी। घर से सुसाइड नोट बरामद हुआ था, जिसमें जीतेंद्र ने देवेंद्र पाठक को मौत का जिम्मेदार बताया था।

सुसाइड नोट में यह लिखा- खाद बीज के साथ तकनीकी तौर पर मजबूत होंगे किसान, ऐसा करने से मिल सकती है ये बड़ी मदद खाद बीज के साथ तकनीकी तौर पर मजबूत होंगे किसान, ऐसा करने से मिल सकती है ये बड़ी मदद

उसने सुसाइड नोट में लिखा था- देवेंद्र ने उसके बेटे की जिंदगी खराब कर दी, उसकी वजह से बेटे ने फांसी लगाई। यह आत्महत्या नहीं हत्या है। देवेंद्र और उसका पूरा परिवार वाले घर छोड़कर भाग गए हैं। पुलिस इस घटना की तह तक पहुंचने के लिए पड़ताल में लगी है। सोमवार को दो कहानियां पुलिस तक पहुंचाई गई हैं।

इसमें पहली कहानी यह है- अचल की आरोपित के करीबी किसी लड़की से दोस्ती थी। यह देवेंद्र को पता था। देवेंद्र के खास लोगों ने पुलिस तक दूसरी कहानी पहुंचाई है। इन लोगों ने पुलिस अफसरों तक जो कहानी पहुंचाई है, उसके मुताबिक अचल ने शराब पी थी, इसकी जानकारी देवेंद्र को लग गई। देवेंद्र ने जब जीतू से शिकायत की तो जीतू ने उसकी पिटाई की। इस वजह से उसने फांसी लगा ली। इन दोनों ही कहानियों पर फिलहाल पुलिस विश्वास नहीं कर रही।

यह सवाल, जिनके जवाब अब तक नहीं मिले
ग्रिल कटी मिली है। देवेंद्र की ओर से पुलिस अधिकारियों को सूचना पहुंचाई गई है, ग्रिल पहले से कटी थी। लेकिन पुलिस अधिकारियों का कहना है- ग्रिल पहले नहीं कटी थी, परिस्थितिजन्य साक्ष्य बता रहे हैं ग्रिल हाल ही में कटी। यहां से फनर तक नहीं हटाए गए थे। बाल्टी भी रखी हुई थी। ग्रिल कटी मिली, इसे लेकर देवेंद्र की ओर से सफाई क्यों दी जा रही है?

अगर लड़की से दोस्ती, शराब का एंगल था तो सुसाइड नोट में देवेंद्र द्वारा बेटे को प्रताड़ित किए जाने का जिक्र क्यों है?

सुसाइड नोट के पीछे 9 लाख रुपये के लेनदेन का हिसाब मिला है, लेकिन लेनदेन से बेटे का कनेक्शन क्या है?

काल डिटेल...आखिरी बार पति-पत्नी के बीच हुई बात

25 जनवरी को आखिरी बार दंपत्ति के बीच ही आखिरी काल हुई है। इससे स्पष्ट है- इनके फोन पर किसी अन्य से बात नहीं हुई।

अचल शर्मिला था, गुमसुम रहता था

अचल के स्कूल और आसपास के लोगों से पूछताछ की गई। पुलिस का कहना है- अचल के बारे में पता लगा है वह शर्मिला था। वह जल्दी किसी से घुलता-मिलता नहीं था। वह अक्सर गुमसुम रहता था। कई बार घर के पास ही मैदान में साइकिल पर घंटों बैठा रहता था।

शहरी विकास मंत्रालय के निदेशक ने देखीं ई-बसों के संचालन की संभावनाएं

ग्वालियर। केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय के निदेशक शहरी परिवहन भानुप्रताप सिंह भदौरिया बुधवार को निजी दौरे पर ग्वालियर आए। मंत्रालय में पीएम ई-बस सेवा परियोजना की जिम्मेदारी संभाल रहे निदेशक ने शहर में ई-बसों के संचालन की संभावनाएं तलाशीं। उन्होंने मोतीमहल स्थित स्मार्ट सिटी के कंट्रोल कमांड सेंटर में नगर निगम आयुक्त हर्ष सिंह और स्मार्ट सिटी सीइओ नीतू माथुर सहित अन्य अधिकारियों से शहर में ई-बसों के संचालन के बारे में चर्चा की।

आइएसबीटी से हो सकता है विभिन्न रूटों पर बसों का संचालन-उन्होंने शहर में चल रहे ई-रिक्शा की भीड़ के बीच इलेक्ट्रिक बसों के संचालन की योजना बनाने के निर्देश दिए। इसके अलावा नगर निगम द्वारा 80 बसों के संचालन के पुराने प्रस्ताव के बजाय नए प्लान के साथ प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए। इसके बाद निदेशक भानुप्रताप सिंह भदौरिया ने स्मार्ट सिटी द्वारा जलालपुर पर तैयार किए जा रहे इंटर स्टेट बस टर्मिनल (आइएसबीटी) का भी निरीक्षण किया। आइएसबीटी के निरीक्षण के पीछे उनका उद्देश्य था कि इसका इस्तेमाल ई-बसों के डिपो के तौर पर भी किया जा सकता है। आइएसबीटी से अलग-अलग रूटों पर बसों का संचालन भी हो सकता है। इसे देखकर उन्होंने संतुष्टि जताई।

चार्जिंग स्टेशनों की ली जानकारी-उन्होंने नगर निगम आयुक्त हर्ष सिंह से चार्जिंग स्टेशनों की भी जानकारी ली, क्योंकि इन बसों को चार्ज करने की आवश्यकता पड़ेगी। निगमायुक्त ने बताया कि शहर में पांच से सात स्थानों पर चार्जिंग स्टेशन बनाए जा रहे हैं।

पहले झूलों को फिटनेस सर्टिफिकेट दिया हादसा हुआ तो अब फिर से कर रहे जांच

ग्वालियर। व्यापार मेला में झूला सेक्टर सैलानियों के लिए सुरक्षित नहीं है, क्योंकि पहले झूलों को लेकर फिटनेस सर्टिफिकेट जारी कर दिए गए और सुरक्षा को लेकर जांच नहीं की। अब बार-बार जांच के नाम पर दिखावा किया जा रहा है। बुधवार सुबह एक बार फिर लोक निर्माण विभाग और प्रशासनिक अधिकारी झूलों की जांच करने पहुंचे। जांच के बाद 28 में 26 झूलों के संचालन की अनुमति दी गई। वहीं जिस नाव झूले से महिला गिरी थी उसमें और पालकी झूलों में सादा बेल्ट की जगह लाक बेल्ट लगवाए गए। दो झूलों की जांच गुरुवार को होगी। मेला शुरू होने के बाद भी झूलों में सुरक्षा मानकों में कमी से यह तो साफ है कि पहले अधिकारियों ने इस मामले को कितनी गंभीरता से देखा था। अब हादसा हो गया तो अधिकारी लगातार निरीक्षण का दिखावा भी कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि बीते रविवार रिहाना खान नाव झूले से गिर गईं थी। इसके बाद सभी झूलों को बंद कर जांच शुरू की गई। पीडब्ल्यूडी और प्रशासनिक अधिकारियों ने सोमवार, मंगलवार और बुधवार को सभी झूलों की जांच की। बुधवार को हुई जांच में दो झूले अनफिट निकले, जिनकी जांच गुरुवार को फिर से होगी।

इधर वसूली भी नहीं रुक रही- पार्किंग में सैलानियों की ओर से लगातार शिकायतें सामने आ रहीं हैं। मेला की अलग-अलग जगह पार्किंगों में निर्धारित शुल्क से ज्यादा राशि ली जा रही है पहले व्यापार मेला प्राधिकरण ने नोटिस देकर पल्ला झाड़ लिया, लेकिन यह अभी भी रुका नहीं है। बाहर से आने वाले सैलानी व बाहर के वाहनों के साथ ज्यादा परेशानी होती है।ग्वालियर व्यापार मेला में पहले फिटनेस सर्टिफिकेट झूलों के लिए जारी कर दिए जाते हैं और व्यापार मेला प्राधिकरण से लेकर अधिकारी सब देखते रहते हैं। अब नाव झूले में हादसा हो गया तो अधिकारियों को कमी दिखीं हैं। वहीं खास बात यह कि हादसा नहीं होता तो झूलों के सुरक्षा मानकों का पता नहीं चलता। सीधी बात यहां गड़बड़ है, झूलों के सर्टिफिकेट को लेकर पहले ढंग से जांच नहीं की गई, बस फिटनेस सर्टिफिकेट जारी कर दिए गए।

ग्वालियर - भिण्ड हाइवे सिक्स लेन की माँग को लेकर महामहिम के नाम गोहद तहसीलदार को सौपा ज्ञापन एक मार्च को भिण्ड मे घेराव

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । गोहद 01 फरवरी को समाजसेवी जनो भूतपूर्व सैनिको ने गोहद शहर मे रैली निकालकर महामहिम के नाम सौपा ज्ञापन प्रेस को जारी बयान मे महेश सिँह करारिया पूर्व फौजी ने बताया कि इस अवसर पर सभा को ग्वालियर भिँड हायवे सिक्स लेन के लिए पिछले एक साल से अभियान चला रहे सुनील फौजी ने सभा को सँबोधित करते हुए कहा कि इस मुद्दे को लेकर हम सभी मँत्रियो बिधायको को ज्ञापन दे चुके है पर सरकार हो या बिपछ कोई भी इस मुद्दे को लेकर गँभीर नही है टोल कम्पनियौँ का अनुबँध अगर सरकारे बडाती रहेगी ,तो यह 30 फुट की सिँगल रोड सिक्स लेन बन ही नही पायेगा और हमारे नौजवान हायवे पर दर्दनाक मौत मरते रहेँगे,हायवे नही बन रहा है तो उसकी जड मे है भ्रस्टाचार और टोल कम्पनिया सुनील फौजी ने कहा हम गाँव गाँव जाकर नुक्कड सभाए कर सरकार और बिपछ की असलियत उजागर करेगे और 100 गाँवो की यात्रा के बाद सभी पूर्व फौजी समाजसेवी 01 मार्च को भिँड कलेक्टर आँफिस पर अनिशचितकालीन डेरा डालो घेरा डालो अभियान चलाकर थरना देँगे इस अवसर पर जयदीप फौजी,कैप्टन के सी शर्मा ,अरबिँद शर्मा ,शिवम पचोरी,थर्मेंद्र तोमर फौजी सर्वा ,पुखराज भटेले,आशीष शर्मा,बिनोद थापक,राजेश शर्मा ,अम्रतलाल माहौर , राजेश , दीपेश,नरेदँ बाथम,याकूब खान,सहित सैकडो समाजसेवी उपस्थिति रहे

बरकोडा गांव की घटना शर्मनाक, आरोपियों को शीघ्र पकडा जाए, प्रशासन पीड़ित परिवार को समुचित सहायता प्रदान करे

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर -अपराधियों के होंसले इतने बुलन्द है की उन्हे ना पुलिस का ना कानून का भय है, गरीबो, और आदिवासी समुदाय की क्या हालत है इस घटना से समझा जा सकता हैमध्य प्रदेश किसान सभा का एक प्रतिनिधि मंडल घटना की जानकारी मिलते ही बरकोडा गाँव पहुँचा एवं घटना की पुरी जानकारी ली, ग्रामीणों मे काफी दहशत थी, बड़ी मुश्किल से उन्होंने घटना बताई लेकिन उन्हे डर है की अब कोई और बच्ची अपराधियों के हवस का शिकार ना हो जाए, किसान सभा नेताओ ने तहसीलदार एवं भवर पूरा थाना के टी आई से बात करके अपराधियों को तत्काल पकड़े जाने, एवं गाँव मे फिल्हाल पुलिस पहरा लगाने तथा पीड़ित परिवार को सुरक्षा देने की मांग की है, टी आई द्वारा बताया गया की अभी तक तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, बारकोड गाँव का दौरा करने वाले प्रतिनिधि मंडल मे किसान सभा के राज्य महासचिव अखिलेश यादव, सामाजिक कार्यकर्ता सुग्रीव कुशवाह एवं राजेन्द्र सविता आदि शामिल थे

किशोरी के साथ हुआ गैंगरेप, आरोपित और उसका मददगार गिरफ्तार

ग्वालियर। स्वजनों पर कट्टा अड़ाकर 15 वर्षीय किशोरी से गैंगरेप के मामले में पुलिस ने एक आरोपित और मददगार को पकड़ लिया है। मददगार ने ही पूरी घटना का ताना-बाना बुना था, उसके ही घर आरोपित रुके थे।दुष्कर्म करने वाले दूसरे आरोपित के पिता की खदान पर ही किशोरी के माता-पिता पत्थर तोड़ने का काम कर रहे थे, वहीं खदान संचालक के बेटे ने ही अपने साथियों के साथ मिलकर इस दिल दहला देने वाली घटना को अंजाम दिया।पत्थर खदान संचालक के बेटे ने ही साथियों के साथ मिलकर दिया घटना को अंजामकिशोरी मूल रूप से शिवपुरी की रहने वाली है, जो परिवार के साथ करीब दो माह पहले भंवरपुरा आई थी। यहां पत्थर की खदान पर किशोरी के माता-पिता काम कर रहे थे। सोमवार की रात किशोरी टायलेट के लिए घर से बाहर निकली। इसी दौरान बदमाशों ने उसके साथ दुष्कर्म किया। बुधवार को पुलिस ने एफआइआर दर्ज की।आरोपितों की तलाश शुरू की गई। पुलिस जांच के दौरान सुराग मिला कि आरोपित पड़ोस के गांव के रहने वाले हैं। बंटी गुर्जर के घर तीनों रुके थे। बंटी की घेराबंदी कर उसे पकड़ा तो उसने बताया कि आकाश गुर्जर और संजीव गुर्जर ने दुष्कर्म किया है और तीसरे आरोपी ने कट्टा अड़ाकर धमकाया था।संजीव को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, वहीं आकाश और कट्टा दिखाकर धमकाने वाला आरोपी अभी फरार हैं। आकाश के पिता की खदान पर ही पीड़िता के माता-पिता काम करते थे।पुलिस जांच में सामने आया है कि यहां रहने वाली एक महिला से आकाश की दोस्ती थी, जब वह घर से बाहर न आ सकी तो बंटी के कहने पर ही किशोरी से दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया गया। प्रभारी पुलिस अधीक्षक ऋषिकेष मीणा ने बताया कि पीड़िता के धारा 164 के तहत बयान गुरुवार को हुए।पूरी सुरक्षा के साथ उसे और उसके परिवार को शिवपुरी भेजने की तैयारी कर रहे हैं। वहां इनके लिए काम की व्यवस्था की जाएगी। परिवार डरा हुआ है, इसलिए

ग्वालियर-अहमदाबाद हवाई सेवा का शुभारंभ, केंद्रीय मंत्री सिंधिया और सीएम ने कही ये बात

ग्वालियर. । आकाशा एयरलाइंस की ग्वालियर अहमदाबाद हवाई सेवा का शुभारंभ करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने कहा कि गुजरात के अहमदाबाद से जुड़ना हमारे लिए गौरव की बात है। अहमदाबाद महाभारत कालीन कर्णावती नगरी थी। इसका संबंध चंबल ग्वालियर से रहा है। अहमदाबाद व्यापार को लेकर चंबल ग्वालियर के लोग आते जाते रहते हैं। इसलिए यह सेवा शुरू की जा रही हैं। साथ व्यापार की दिशा में हम ग्वालियर को मुख्य दरवाजे के रूप में विकसित करने का प्रयास कर रहे हैं। साथ ही प्रयास कर रहे हैं उज्जैन यानि महाकाल की नगरी में भी ऐसा ही एयरपोर्ट विकिसित हो।केंद्रीय उड्डयन मंत्री सिंधिया ने कहा हवाई चप्पल पहनने वाला भी करेगा हवाई यात्राकेंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री का सपना है कि हवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई यात्रा करे। इसी सपने को पूरा करने की दिशा में काम हो रहा है। इसी सपने को लेकर देश भर में एयरपोर्ट बनाए जा रहे हैं और एयर

कनेक्टिविटी करने का प्रयास किया जा रहा है। सिंधिया ने कहा कि 80 के दशक में जहां रेलवे स्टेशन बनवाने व रेल में यात्रा करने की चाहत होती थी। लेकिन अब विमान से यात्रा करने की चाहत है। ग्वालियर को अभी तक सात शहरों से एयर कनेक्टिविटी से जोड़ा गया है। ग्वालियर अहमदाबाद हवाई सेवा को आकाशा एयर लाइंस शुरू कर रही है। इस एयर लाइंस ने एक साल पहले दो विमानों से सेवा शुरू की थी। 12 महीने में इसमें 20 हजवाई जहाज तक की संख्या पहुंच गई है।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478